तापमान

अधिकतम 31 डिग्री

न्यूनतम 22 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, रविवार, 19 अक्टूबर 2025

13 यात्रियों की भीड़ को देख पावर हाउस स्टेशन पर होल्डिंग एरिया

खबर संक्षेप

गांजा तस्कर और धमकाने वाला पकड़ाया

भिलाई। दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने महिला पुरुष को गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर ने बताया कि देशी कट्टा लहराकर लोगों को जवाहर नगर स्थित मां शारदा ट्रेडर्स के पास कैलाश नगर, जामुल निवासी सूबेदार सिंह यादव को पकड़ा गया। उसके पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया। छावनी पुलिस ने सी-मार्केट, पावर हाउस भिलाई क्षेत्र से सेक्टर 11 निवासी ए पुष्पा को पकड़ा गया है। उसके पास से पुलिस ने 4 किलो गराम गांजा जब्त किया गया।

जेसीबी की ठोकर से युवक घायल, अपराध दर्ज

भिलाई। कोतवाली थाना दुर्ग अंतर्गत शराब दुकान के पास गंजपारा में जेसीबी की ठोकर से स्कूटी सवार युवक घायल हो गया। मामले में पुलिस ने जेसीबी सीजी 07 सीएल 0667 के चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि घटना 17 अक्टूबर को सुबह करीब 11 बजे की है। पोलसाय पारा निवासी आदित्य महोबिया स्कूटी से अपने पिता को लेकर पुलगांव की तरफ जा रहा था। तभी जेसीबी के हाइड्रोलिक बकेट को चालक ने लापरवाही पूर्वक घुमा दिया।

ट्विनसिटी के 1.25 लाख ईएसआई कार्डधारियों को मिलेगी बड़ी राहत

ईएसआई हॉस्पिटल में 30 बिस्तर से बढ़कर अगले महीने से 100 बिस्तर की मिलेगी सुविधा

देवीलाल साहू ▶▶भिलाई

आठ महीने पहले शुरू हुए भिलाई के ईएसआई हॉस्पिटल में एक बड़ी सुविधा शुरू होने जा रही है। मार्च 2025 में इस हॉस्पिटल को जब शुरू किया गया तब से यहां 30 बिस्तर की भर्ती सुविधा ही हितग्राहियों को दी जा रही है। दिवाली के बाद यानी नवंबर महीने से यहां 100 बिस्तर की सुविधा प्रारंभ करने की तैयारी है। इसके लिए हॉस्पिटल प्रबंधन ने डॉक्टरों व स्टॉफ की भर्ती के लिए अनुबंध भी शुरू कर दिया है।

ट्विनसिटी में 1.25 लाख ईएसआई कार्डधारी

ट्विनसिटी में 1.25 लाख ईएसआई कार्डधारी हैं। इन कार्डधारियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए ईएसआई हॉस्पिटल भिलाई को बनाने में 110 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इस लागत से 100 बिस्तर की सुविधा के अनुरूप हॉस्पिटल का निर्माण किया गया है। वर्तमान में यहां 30 बिस्तर की सुविधा शुरू की गई है। जहां रोजाना 350 मरीज आ रहे हैं।

ये सुविधाएं मिलेगी कार्डधारियों को

पहला: डिलीवरी के साथ भर्ती भी होगी

ईएसआई हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं की जांच हो रही है। यानी ओपीडी ही चल रही है। कम बिस्तर होने की वजह से डिलीवरी प्रभावित थी। अब गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ ही डिलीवरी भी होगी। यानी दीगर हॉस्पिटल में गर्भवती महिलाओं को रेफर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सीजर योग्य महिलाओं को भी यहां भर्ती कर डिलीवरी करवाई जा सकेगी।

दूसरा: सोनोग्राफी की सुविधा मिलेगी

केंद्र व राज्य सरकार में सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी अनिवार्य कर दी है। इस हिसाब से पूरे 9 महीने में तीन से पांच मर्तबा सोनोग्राफी करना है। लेकिन सोनोग्राफी नहीं होने से दूसरे सेंटर में सोनोग्राफी करवाने भेजा जा रहा है। ईएसआई द्वारा भिलाई के निजी अनुबंधित हॉस्पिटल में मरीज रेफर किए जा रहे हैं। मरीज को वहां जाने के बाद सोनोग्राफी का बिल प्रस्तुत करना पड़ रहा है और इसकी प्रक्रिया में ही कई दिन लग रहे हैं।

मेडीसीन, गायनिक और शिशुरोग जैसे विभाग

ईएसआई हॉस्पिटल में वर्तमान में जनरल, आर्थो और नेत्र रोग का इलाज हो रहा है। लेकिन मेडीसीन, गायनिक और शिशु रोग विभाग सेप्रेट रूप से शुरू नहीं हो पाए हैं। इन विभागों को भी प्रबंधन शुरू करने जा रहा है। इससे मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में ईएसआई हॉस्पिटल द्वारा मरीजों को अपने अनुबंधित निजी हॉस्पिटलों में भेजा जा रहा है।

35 डॉक्टरों की टीम करेगा मरीजों का इलाज

ईएसआई हॉस्पिटल में सेटअप के अनुरूप डॉक्टरों की व्यवस्था भी की जा रही है। 35 डॉक्टरो की टीम मरीजों का इलाज करने के लिए रहेंगे। इसी तरह भर्ती होने वाले मरीजों के लिए नर्सेस स्टॉफ की भी कमी दूर करने की कार्ययोजना बना ली गई है। वार्ड ब्वॉय, आया व सफाई कर्मी सहित चतुर्थ वर्ग श्रेणी के स्टॉफ भी शामिल रहेंगे।

तीसरा: आपरेशन थिएटर में होगी सर्जरी

ईएसआई हॉस्पिटल में आपरेशन थिएटर की सुविधा भी शुरू की जाएगी। आपरेशन थिएटर में सभी तरह के मरीजों की सर्जरी की जा सकेगी। जिससे मरीजों को दूसरे हॉस्पिटल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ओटी का निर्माण हो चुका है। यहां मशीनें स्टॉल करवाई जा रही है। इसके लिए उपकरणों व मशीनें भी आर्डर की जा चुकी है।

अगले महीने से 100 बिस्तर की सुविधा

ईएसआई हॉस्पिटल वर्तमान में 30 बिस्तर के साथ चल रहा है। अब 100 बिस्तर के हिसाब से हमने तैयारी कर ली है। नवंबर महीने में यह सुविधा प्रारंभ करना है। वर्तमान में ओपीडी चल रही है। जनरल, नेत्र और आर्थो संबंधी रोगों की जांच हो रही है।

- डॉ. हसन, प्रबंधक ईएसआई हॉस्पिटल

आपसी रंजिश के कारण युवक की हत्या तीन अपचारी बालक समेत 6 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

आपसी रंजिश के कारण गार्ड की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस घटना में तीन अपचारी बालकों समेत 6 को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक 17-18 की रात वार्ड 39 डिपरा पारा दुर्ग निवासी तिलक साहू एक युवती को अपने साथ भागकर लेकर चला गया। घटना की रात की मोहल्ले में युवक के पक्ष वाले जश्न मना रहे थे। तभी युवक के परिजन राजा यादव समेत नीरज ठाकुर, सूरज ठाकुर से गाली गलौच शुरू कर दी। उसके बाद आरोपी मारपीट करके फरार हो गए, तभी पीछे के रास्ते से स्कूल मैदान में पहुंचे और नीरज पर्दे के पास खड़ा था। आरोपी नीरज के साथ विवाद करने लगे। राजा यादव और उसके साथियों ने नीरज को जान से मारने की धमकी देकर गाली गलौज कर चाकू और डंडे से हमला कर दिया। घटना में नीरज गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां डॉक्टर ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने प्रभारी तापेश्वर नेताम ने टीम गठित कर आरोपियों को पकड़ा ।

हिरासत में लेकर पूछताछ

सूचना पर पुलिस ने विधि से संघर्षरत बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। तब उन्होंने पुलिस को बताया कि तिलक साहू ने नीरज ठाकुर की बहन को भगाकर ले गया था। जिसकी राजा ने भगाने में मदद की था। इसी बात को लेकर नीरज व राजा को मारने खोज रहे थे। राजा ने अपने अन्य दोस्त अमन यादव, प्रताप राजपूत समेत बालकों के साथ राजा को जान से खत्म करना का प्लान था। आरोपी अपने पास लोहे की राड, बांस के डंडा से नीरज ठाकुर के उपर प्राण घातक हमला किया। जिससे उसकी मौत हो गई।

दोनों परिवार में था तनाव

पुलिस ने बताया कि ठाकुर परिवार की युवती ने लव मैरिज की थी। इसी बात को लेकर दोनों परिवारों में तनाव था। 16 अक्टूबर को दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। उसके बाद फिर मारपीट हुई। घटना में घायल नीरज ठाकुर को अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने टीम बनाकर आरोपियों की तलाश की। उसके 6 को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जांच के बाद ही हत्या की असली वजह पता चल पाएगा।

महंगाई राहत नहीं, नाराज पेंशनरों ने आदेश की जलाई प्रति

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश संगठन के आह्वान पर दुर्ग जिला इकाई द्वारा केसरी नंदन हनुमान मंदिर प्रांगण मीनाक्षी नगर दुर्ग स्थित संगठन कार्यालय भवन के बाहर राज्य सरकार द्वारा पेंशनरों के लिए जारी दो प्रतिशत महंगाई राहत आदेश की प्रति जलाई गई। इस दौरान पेंशनरों ने जमकर नारेबाजी की और सरकार के प्रति नाराजगी दिखाई। प्रदेशभर में हजारों पेंशनर हैं जो इस आदेश के लागू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

8 महीने से जारी आदेश का पालन नहीं

पेंशनरों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा एक जनवरी 2025 से केंद्रीय कर्मचारियों व पेंशनरों के लिए दो प्रतिशत महंगाई भत्ता/ राहत की स्वीकृति जारी की गई थी जिसके अनुरूप राज्य के कर्मचारियों व पेंशनरों को भी उक्त तिथि से महंगाई राहत स्वीकृत किया जाना था पर इसके विपरीत राज्य के पेंशनरों के लिए कल दो सितम्बर से महंगाई राहत स्वीकृत करते हुए आदेश जारी किया गया, इस प्रकार से राज्य सरकार ने पेंशनरों को आठ माह के महंगाई राहत का नुकसान उठाना पड़ा है जिससे व्यथित हो उक्त आदेश की प्रति जलाई गई।

मंहगाई भत्ता नहीं देने से दिक्कतें बढ़ी

पेंशनरों ने बताया कि मंहगाई भत्ता नहीं देने की वजह से पेंशनरों के परिवार को परेशानी उठानी पड़ रही है। पेंशनर कई तरह की बीमारियों से जूझ रहे हैं। जिसकी वजह से पेंशन की मोटी रकम इलाज में खर्च हो जाता है। कई पेंशनरों के परिवार के सदस्य छोटी-मोटी नौकरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। इसलिए घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश संगठन सचिव टी पी सिंह, संभागीय उपाध्यक्ष बी एल गजपाल, जिला अध्यक्ष बी के वर्मा, महामंत्री पी आर साहू, उपाध्यक्ष एन के देशमुख, एस के सूर्यवंशी, बी के शर्मा, डी पी दिल्लीवार, आर डी साहू, शीतल साहू, के पी देशमुख, जे एस एस, घनश्याम देवांगन,अब्दुल वाहिद खान, पी एस बघेल, रामाधार तामकार, आर के भटनागर आदि बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

सामान्य सभा के निर्णय पर अमल, वार्ड पार्षदों के साथ आयुक्त पांडेय ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

भिलाई निगम की सामान्य सभा में हुए हंगामे के बाद यह तय हुआ कि जिस वार्ड में निगम जोन आयुक्त और आयुक्त दौरे या निरीक्षण के लिए जाएंगे वहां के वार्ड पार्षद को सूचित करेंगे और साथ में रहेंगे। सभा के दूसरे दिन ही निगम आयुक्त ने शनिवार को दो वार्डों का दौरा किया लेकिन इस बार सामान्य सभा के हिसाब से बकायदा उस वार्ड के पार्षदों को सूचना भिजवाई। सूचना के बाद पार्षद निगम आयुक्त राजीव पांडेय के साथ वार्ड में निरीक्षण किया।

पीएम आवास निर्माण में देरी पर लगाई फटकार

आयुक्त पांडेय ने वार्ड 1 खम्हरिया में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान का निर्माण किया जा रहा है, जिसका निरीक्षण निगम आयुक्त द्वारा किया गया। निर्माणकर्ता एजेंसी को शेष बचे हुए कार्य जल्द पूर्ण करने के साथ आवागमन के लिए बनाये गए सड़क को ठीक करने निर्देशित किया गया है। कार्य की विलंबता देखकर निगम आयुक्त एजेंसी के लिए नाराज हुए हैं ।

वार्ड 11 व वार्ड 12 में देखी ये व्यवस्था

जोन एक नेहरू नगर अंतर्गत वार्ड 11 के लिम्हा तालाब का निरीक्षण किया। पार्षद महेश वर्मा की मौजूदगी रही। तालाब में साफ-सफाई व्यवस्था को देखे और वार्ड के साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार हेतु निर्देशित किए। आयुक्त एवं वार्ड क्रमांक 12 पार्षद गिरवर बंटी साहू द्वारा वार्ड के गली, मोहल्ले का निरीक्षण किया गया। वार्ड के रिक्त भूमि में स्थानीय निवासियों द्वारा कचरा डाला जाता है, जिसके कारण गंदगी फैल रही है। वार्ड के स्थानीय निवासियों को अपने खाली प्लाट में निर्माण करने या घेरा कर छोड़ने निर्देशित किया गया है।

500 बिस्तर के जिला अस्पताल में 300 बिस्तर का सेटअप तक पूरा नहीं

जिला अस्पताल में मेडिकल, एनेस्थेसिया, चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी, मनोरोग व चर्मरोग की ओपीडी बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶भिलाई

जिले का सबसे बड़ा जिला अस्पताल है। राज्य सरकार ने यहां 500 बिस्तर अस्पताल की घोषणा की है, लेकिन यहां के हाल यह हैं कि दो साल हो गए यह अस्पताल 300 बिस्तर का सेटअप तक पूरा नहीं कर पाया है। मेडिकल स्पेशलिस्ट, चाइल्ड स्पेशलिस्ट, सर्जरी स्पेशलिस्ट, नाक, कान व गला स्पेशलिस्ट जैसे डॉक्टरों का टोटा बना हुआ है। डॉक्टरों की कमी के चलते इस अस्पताल की मनोरोग और चर्मरोग की ओपीडी ही बंद हो गई है। रेडियोलॉजिस्ट नहीं है। आपरेशन के पहले एनेस्थेसिया देने वाले डॉक्टर तक गिनती के हैं। जिसकी वजह से मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल के विभागों में ये दिक्कतें

केस -1 पांच आपरेशन थिएटर लेकिन एनेस्थेसिया के दो डॉक्टर

जिला अस्पताल में पांच आपरेशन थिएटर हैं। अलग-अलग विभागों के हिसाब से ये ओटी हैं। सर्जरी, आर्थो, गायनिक, ईएनटी और नेत्र ओटी। इन विभागों में आने वाले मरीजों को आपरेशन के पहले एनेथेसिया देने की जरूरत पड़ती है। हर विभाग के हिसाब से एक-एक एनेस्थेटिक डॉक्टर की जरूरत है। 300 बिस्तर के हिसाब से राज्य ने यहां 4 एनेस्थेटिक डॉक्टर के पद स्वीकृत किए हैं। हाल ही में दो डॉक्टर अस्पताल छोड़ कर चले गए। इसलिए केवल 2 डॉक्टर से ही पांचों ओटी का काम चलाना पड़ रहा है।

केस-2 पिडियाट्रिक्स में तीन डॉक्टर नहीं

पिडियाट्रिक्स में 5 चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के पद स्वीकृत हैं। वर्तमान में यहां केवल दो स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के भरोसे काम चलाया जा रहा है। यानी 3 स्पेशलिस्ट डॉक्टर की कमी बनी हुई है। यहां शिशुरोग गहन इकाई 30 बिस्तर का है। इसके अलावा बच्चों के दो वार्ड भी हैं। जहां बच्चों को भर्ती किया जाता है। मदर चाइल्ड यूनिट अलग से बना हुआ है। जहां डिलवरी के बाद माताओं व बच्चों को एक साथ रखकर इलाज करना है। ओपीडी भी इन्ही दो डॉक्टरों को देखना है। वार्ड में भर्ती बच्चों का इलाज भी इन्ही के जिम्मे है।

केस-3 नाक, कान व गला विभाग एक मात्र चिकित्सक के भरोसे

नाक, कान व गला विभाग महज एक चिकित्सक के भरोसे चलाया जा रहा है। इस विभाग के लिए 3 डॉक्टरों के पद स्वीकृत हुए हैं लेकिन केवल एक ही डॉक्टर हैं। दो डॉक्टर के पद खाली हैं। एक डॉक्टर ओपीडी संभाले कि आपरेशन करे। वार्ड में भी सीजर से पहले और उसके बाद मरीजों को वार्ड में रखकर निगरानी करने की जरूरत पड़ती है। हाल यह है कि इस विभाग के ज्यादातर मरीजों की केवल ओपीडी जांच हो रही है। सीजर जैसे प्रकरणों को टालना पड़ रहा है।

स्वीकृत डॉक्टरों के पद व स्थिति

पद	स्वीकृत	कार्यरत	खाली
मेडिकल विशेषज्ञ	05	03	02
स्त्रीरोग विशेषज्ञ	05	04	01
शिशु रोग विशेषज्ञ	05	02	03
रेडियोलॉजिस्ट	04	00	04
एनेस्थेसिया विशेषज्ञ	04	02	02
सर्जरी विशेषज्ञ	04	03	01
नाक कान गला	03	01	02
पैथालॉजिस्ट	02	01	01
चर्मरोग विशेषज्ञ	01	00	01
मनोरोग विशेषज्ञ	02	00	02

मनोरोग ओपीडी व भर्ती बंद

जिला अस्पताल में मनोरोग स्पेशलिस्ट डॉक्टर के 2 पद स्वीकृत हैं। दोनों की पदों पर संविदा के रूप में डॉक्टर की नियुक्ति की गई थी। मनोरोग की ओपीडी भी अलग से चलाई जा रही थी। दोनों डॉक्टरों ने अस्पताल में काम करना छोड़ दिया। जिसकी वजह से मनोरोग की ओपीडी बंद हो गई है।

राज्य से मांगे हैं डॉक्टर

जिला अस्पताल में डॉक्टरों की स्वीकृत पद के हिसाब से डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। जो डॉक्टर रिटायर हो रहे हैं उनकी जगह नए डॉक्टर आ नहीं रहे हैं। राज्य से भी डॉक्टर यहां के लिए मांगे हैं।

-डॉ. अखिलेश यादव, आरएमओ, जिला अस्पताल

पुरानी रंजिश के कारण युवक से मारपीट

भिलाई। भिलाईनगर थाना अंतर्गत सिविक सेंटर में पुरानी रंजिश के कारण युवक से मारपीट हुई। आरोपी ने लोहे के राड से मारपीट की। सूचना पर पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना 16 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे की है। पुलिस ने बताया कि अमरपाल सिंह रंधावा अपने गुरप्रीत के साथ मिराज थिएटर के सामने से गुजर रहा था। तभी प्रताप विश्वास उर्फ डोन ने पुरानी बातों को लेकर गाली गलौच शुरू कर दी। इसके बाद हाथापाई शुरू कर दी। घायल अमरपाल सिंह को हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां मुलाहिजा के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज किया। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है।

खबर संक्षेप

विधायक ने सीएम को दी दीपावली की बधाई

दुर्ग। ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर दीपावली पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर, विधायक चंद्राकर ने मुख्यमंत्री का स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने भी यह पर्व प्रदेश के विकास और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

ताम्रध्वज ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

दुर्ग। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने

प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की शुभकामनाएं दी है। इन सभी त्योहारों श्री साहू ने प्रदेशवासियों के सुखी व खुशहाल जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्री साहू ने कहा कि धनतेरस एवं दीपावली हमारी संस्कृति के जीवन मूल्यों का संवाहक है। यह पावन पर्व भारतीय समाज, देश सहित पूरे प्रदेश में सम्पन्नता एवं समृद्धि लाए। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारे लोक जीवन से जुड़ा पर्व है। इस दिन गायों की पूजा कर खिचड़ी खिलाई जाती है और गोधन के रूप में पूजा कर उनके प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट किया जाता है।

निधन

कृष्ण रुंगटा

भिलाई। दीपक नगर दुर्ग निवासी कृष्ण रुंगटा का आकस्मिक निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे, उनकी अंतिम यात्रा उनके गृह निवास गीता सदन दीपक नगर से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के लिए आज रविवार सुबह 11:00 बजे निकलेगी। वे संजय पप्पू रूंगटा के बड़े भाई एवं निर्मल एवं गौरव रूंगटा के पिता थे।

निगम का कारनामा : नियम कायदों को ताक पर रखकर जीई रोड किनारे लगवा दी पटाखा दुकानें, फायर सेफ्टी की हो रही अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शहर में पहली बार सारे नियम-कायदों को ताक पर रखकर भीड़ वाली जगह पर विशेष रूप से 5 पटाखा विक्रेताओं को अस्थाई रूप से पुरानी गंजमंडी की ठीक सामने दुकान लगाने की अनुमति दी गई है। अनुमति नगर निगम दुर्ग ने जारी की है। इसे लेकर पूरे शहर में खासी चर्चा है।

इन अस्थाई दुकानों को लगाने के लिए अफसरों पर राजनीतिक दबाव डाला गया। इसके आधार पर शहर के सबसे मुख्य ट्रैफिक वाली सड़क जीई रोड पर इन दुकानों को लगाने की अनुमति जारी की गई है। हरिभूमि ने जब इस बारे में निगम के अधिकारियों से बात की, तो उन्होंने इस बारे में कुछ भी जानकारी देने से इंकार कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुकानों का आवंटन गलत तरीके से हुआ है, लेकिन अपना पक्ष रखने से सीधे इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दबाव के कारण यह अस्थाई अनुमति जारी की गई है। बता दें कि जिस जगह पर यह अनुमति जारी की है कि वह भीड़-भाड़ वाली जगह है। शहर से राजनांदगांव और बालोद को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है। 24 घंटे इस मार्ग से वाहनों की आवाजाही रहती है। बावजूद इसके अनुमति दी गई है। इतना ही नहीं अग्निसुरक्षा से जुड़ी सारी गाइडलाइन को दरकिनार कर दिया गया है।

बिजली मंडी से ली गई है, जबकि ऐसी दुकानों में जनरेटर का उपयोग किया जाना है। बांस-बल्ली और कपड़े का उपयोग नहीं किया जाना है, लेकिन इनका उपयोग किया जा रहा है। कहीं किसी प्रकार की कार्रवाई न ही स्थानीय निकाय द्वारा की जा रही, न ही पुलिस महकमें ने गंभीरता दिखाई है। इस वजह से इस मार्ग पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी सामने आ रही है।

फायर सेफ्टी विभाग ने जारी की गाइडलाइन, नहीं हो रहा पालन, जांचने तक कोई नहीं पहुंच रहा

बता दें कि पटाखों की बिक्री और दुकानों के संचालन को लेकर फायर सेफ्टी विभाग ने भी गाइडलाइन जारी की है, लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। जिला अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह के अनुसार पटाखा दुकानें किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस, रस्सी टेंट इत्यादि का न होकर, अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होनी चाहिए। दुकानें एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी (साइड) पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप गैस लैम्प एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबन्धित है। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबन्धित रहेगी। प्रत्येक पटाखा दुकान में 5 किग्रा क्षमता का डीसीपी अग्नि शामक यन्त्र होना चाहिए। पटाखा दुकानों के सामने बाइक, कार की पार्किंग प्रतिबंधित है। अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस का फोन नंबर, दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए। इसका तनिक भी पालन नहीं हो रहा है।

30 से ज्यादा दुकानों को जेआरडी स्कूल में अनुमति

नगर निगम प्रतिवर्ष जेआरडी स्कूल मैदान में अस्थाई पटाखा दुकान संचालकों को अनुमति देता है। उन्हें जगह उपलब्ध कराता है। इस बार भी करीब 30 दुकानें मैदान में लगी हैं। वर्तमान में जो 5 दुकानें पुरानी गंजमंडी के पास शिफ्ट की गई हैं, वे सभी पहले जेआरडी स्कूल मैदान में ही लग रही थीं। बाद में कुछ लोगों ने सड़क किनारे दुकान लगाने आवेदन दिया। शहर में इस समय करीब 100 अस्थाई लाइसेंस जारी किए गए हैं। वहीं 20 स्थाई और हैवी लाइसेंस हैं, जहां पटाखों की बिक्री की जा रही है। पुरानी गंजमंडी के पास दुकान लगाए जाने को लेकर पूरे शहर में तीखी प्रतिक्रिया है। मामले को लेकर शिकायत भी की गई है, लेकिन प्रशासनिक महकमें द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

ग्रीन सिंबॉल पटाखों की निगम कर रहा जांच, अस्थाई पटाखा लाइसेंस जारी करने के बाद मौके पर जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दिवाली त्योहार व छठ पर्व के लिए शहर में अस्थाई फटाखा दुकान लगाए गए हैं। इन दुकानों में ग्रीन सिंबाल वाले पटाखे यानी कम प्रदूषण वाले बेचे जा रहे हैं। ये पटाखे असलियत में मापदंडों को पूरा करने वाले हैं या नहीं इसकी जांच निगम की टीम कर रही है। दुकानों में सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं या नहीं। साथ ही कहीं कोई ग्रीनरी पटाखे की आड़ में चाइनीज पटाखे तो नहीं खपा रहा है, इन सबकी जांच हो रही है।

पावरहाउस मैदान में लगी है दुकानें

निगम आयुक्त राजीव पांडेय एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह बाजार, सड़क बाधा प्रभारी अधिकारी जावेद अली के आदेश अनुसार पावर हाउस जोन 3 अंतर्गत अस्थाई फटाका व्यापारियों का लाइसेंस एवं अग्निशामक यंत्रों की जांच किया गया। साथ ही साथ पर्यावरण को कम नुकसान करने वाले पटाखे कि जांच, ग्रीनरी सिंबाल विशेष पहचान वाले पटाखे एवं स्वच्छता की दृष्टि से ग्रीन सिंबाल वाले पटाखे की जांच किया गया है। चाइनीस पटाखे का उपयोग में न लाने की समझाइए दिया गया दुकान में चायनीज पटाखे प्राप्त होने पर दुकान का लाइसेंस जप्त एवं दंडात्मक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। इस कारवाई में जोन क्रमांक 3 के सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी वीरेंद्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक सी एम यादव मौजूद थे।

कलेक्टर ने बाल संरक्षण समितियों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिला कार्यालय स्थित सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक लेकर जिले में बाल संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में बाल देखरेख संस्थाएं, किशोर न्याय व्यवस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल विवाह की स्थिति और सखी वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की गई।

बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में 40 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिले में अब तक कोई बाल विवाह का मामला दर्ज नहीं हुआ है, जिस पर कलेक्टर ने सावधानीपूर्वक निगरानी बनाए रखने और ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। किशोर न्याय बोर्ड में 237 और बाल कल्याण समिति में 118 प्रकरण लंबित हैं। कलेक्टर ने इन मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर पिछले तीन महीनों में प्राप्त 42 कॉल्स में से 13 मामलों को रजिस्टर्ड किया गया। कलेक्टर ने सभी संबंधित समितियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में त्वरित और संवेदनशील कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने किशोर न्याय बोर्ड में स्थापित वीसी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेट को शीघ्र बाल सम्प्रेक्षण गृह में स्थानांतरण करने कहा, ताकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा जल्द उपलब्ध हो सके और बालकों को कोर्ट पेशी के लिए अन्य जिलों में भेजने की जरूरत न पड़े और कार्यवाही ऑनलाइन ही पूरी की जा सके। शासन के निर्देशानुसार जिले के रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर चाइल्ड हेल्प डेस्क की स्थापना की जानी है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कलेक्टर ने दोनों स्थानों पर उपयुक्त स्थल चिन्हित कर जल्द से जल्द डेस्क शुरू करने के निर्देश दिए। नाबालिग बच्चों में बढ़ती नशा प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने नशामुक्ति केंद्र की स्थापना के लिए संचालनालय को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री जाम्बुलकर ने बताया कि जिले में संचालित शासकीय और अशासकीय बालगृहों, विशेष गृहों, दत्तक ग्रहण एजेंसी एवं आश्रय गृहों में कुल 108 बालक-बालिकाएं निवासरत हैं। कलेक्टर ने इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त करते हुए 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों को मुख्यमंत्री बाल उदय योजना का लाभ दिलाने के लिए सक्रियता बढ़ाने कहा।

रासेयो ने लगाया स्वच्छता कैंप

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

सेठ आरसीएस कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवको द्वारा पंचशील नगर नयापारा में एक दिवसीय स्वच्छता कैंप का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत सर्वप्रथम शासकीय चन्द्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण की सफाई कर छात्रों को स्वच्छता का संदेश दिया गया । इसके पश्चात छातागढ़ में स्थित महादेव मंदिर के प्रांगण के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई । अंत मे शासकीय जिला चिकित्सालयमें सफाई अभियान चला कर परिसर की सफाई की गई । कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 19 स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक युगेश देशमुख के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ निधि मिश्रा उपस्थित रहे।

एटेमिक एनर्जी का सही उपयोग भारत को दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक

भारत का आर्थिक विकास एवं योजना पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह एवं विभागाध्यक्ष डॉ. के. पद्मावती

- अर्थशास्त्र विभाग ने किया आयोजन

के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुनील कुमेटी, एसोसिएट प्राध्यापक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर डॉ. अर्पणा घोष सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष सेंट थॉमस कालेज भिलाई उपस्थित रहे। चंदन गोस्वामी, सहायक प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय रानीतराई एवं डॉ. श्रध्दा मिश्रा सहायक प्राध्यापक, डॉ. राधा बाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय रायपुर मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने विभाग में व्याख्यानों की श्रृंखला के माध्यम से उद्यमिता विकास पर बल दिया। स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. के. पद्मावती एवं डॉ. अंशुमाला चन्दनगर द्वारा दिया गया। डॉ. सुनील कुमेटी ने भारत के विकास योजनाओं के विषय में जानकारी दी। एलपीजी मॉडल (राव एवं मनमोहन मॉडल) के संबंध में चर्चा की। समय-समय पर पंचवर्षीय योजनाओं के बीच जो 1962 में चीन युध्द, 1965 में पाकिस्तान युध्द, हरित क्रांति योजना अवकाश इन सबको भी अपने व्याख्यान में सरल शब्दों में स्पष्ट किया।

साथ ही उन्होंने ऐटेमिक एनर्जी के विषय में भी बताया जिनका सही उपयोग भारत के विश्व के द्वितीय सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में सहायक होगा। सेंट थॉमस महाविद्यालय, भिलाई की प्राध्यापक डॉ. अर्पणा घोष, डॉ. चंदन गोस्वामी, डॉ. श्रध्दा ने भी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंशुमाला चन्दनगर डॉ. वंदना कश्यप ने दिया।

टीए बिल्डिंग परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

भिलाई। स्वच्छता अभियान स्वच्छता ही सेवा के तहत टी ए बिल्डिंग परिसर में समस्त कार्मिकों के श्रम दान एवं सहयोग से साफ-सफाई की गई। मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं उत्पल दत्ता के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में स्वच्छता के महत्व एवं जनभागीदारी की अनिवार्यता को रेखांकित करते हुए जन जागरूकता के प्रयास में महाप्रबंधक केके यादव के भूमिका की तारीफ की। उन्होंने महायज्ञ में सभी के शामिल होने की अपील की । साथ ही जन स्वास्थ्य विभाग के अपशिष्ट प्रबंधन संस्थान एसएलआरएम सेंटर नेवई में कचरे से निर्मित उच्च गुणवत्ता के आर्गेनिक खाद का निःशुल्क वितरण बागवानी के शौकीन लोगों तथा कार्मिकों को किया गया।

कार्यक्रम में महा प्रबंधक केके यादव, डीजीएम राघवेंद्र गर्ग, वाई के साहू, एजीएम एचआर जया रॉय, एजीएम पीएचडी रमेश गुप्ता, डायरेक्टर मैनेजर मिलिंद कुमार बंसोड, विवेक मिश्रा, सहायक प्रबंधक स्वर्ण लता साहू, सहायक प्रबंधक देवानंद चौहान सहित इंस्पेक्टर नागराजू, जितेन्द्र वर्मा, प्रकाश बंछोड़ शरत, सुभाष चंद्र महाराणा, वीसी लहरे, नीना मलिक, शिखा ताम्रकार, ए सुजाता आदि उपस्थित थे।

मृत्यु पश्चात परिजनों ने दी नेत्रदान की सहमति

दुर्ग। नवदृष्टि फाउंडेशन के प्रयास से कल्प वृक्ष अपार्टमेंट राजनांदगांव निवासी गंडई जेठमल बुरड़ के निधन के पश्चात उनके नेत्रों से दो लोग प्रकृति देख पाएंगे। जेठमल बुरड़ की पुत्री सुमन, सुरेश कोठारी, शोभा, संजय कटारिया, शीतल, मनीष जैन, पुत्रवधु खुशबू बुरड़ ने नेत्रदान की सहमति दी। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्य फनेंद्र जैन ने उपस्थित रहकर नेत्रदान प्रक्रीया में सहयोगकिया। राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज के डॉ. प्राजंलि, डॉ शिवानी, नेत्र सहायक अधिकारी एस के यादव ने कॉर्निया कलेक्ट कर नेत्रदान सम्पन्न कराया।

कस्टम मिलिंग की बाध्यता समाप्त करने प्रतिनिधि मंडल मिला सीएम से

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जयसवाल, क्रेडा के अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, भाजपा के कोषाध्यक्ष राम गर्ग के नेतृत्व में

- मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को दिया आश्वासन

छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मिला।

इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, महामंत्री विष्णु बिंदल, उपाध्यक्ष विजय गोयल, उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया ने मिलर्स की समस्याओं को लेकर

सार्थक चर्चा हुई। बैठक में 77 पीबी पीड़ित राइस मिलर्स, उसना मिलिंग पर 80 प्रोत्साहन राशि यथावत रखने, कस्टम-मिलिंग के लिए तीन माह की बाध्यता समाप्त कर दो माह करने सहित कई विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों को गंभीरतापूर्वक सुना। शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा यह आपकी ही सरकार है, आप लोग निश्चिंत रहें। हमें भी सरकार पर पूरा भरोसा है। हमारी सभी मांगे पूर्ण होगी सभी मिलर्स भाई निश्चिंत रहें।

विधायक ललित चंद्राकर ने खेल प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

सांसद खेल महोत्सव : पुरस्कार वितरण में शामिल हुए विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

ग्राम रसमड़ा में आयोजित सांसद खेल महोत्सव 2025 के कार्यक्रम समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित हुए। मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यारोपण व दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम शुभारंभ किया।

- विधायक ने खिलड़ियों से मिलकर जाना परिचय

विभिन्न खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात कर परिचय प्राप्त किया और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने का माध्यम है, बल्कि यह युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का भी एक सशक्त मंच है।

उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया।

अपने संबोधन में विधायक ने कहा सांसद खेल महोत्सव न केवल खेल

इस दौरान जिला मंत्री गिरेश साहू, जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू,जनपद सदस्य नंदकुमार साहू,सरपंच मोतिम निषाद, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ,उपाध्यक्ष नंदू निर्मलकर, महामंत्री चेतन साहू, जिला सहकारी सेवा समिति अध्यक्ष पुष्पा सिंह राजपूत, विधायक प्रतिनिधि चमन यादव,वरिष्ठ भाजपा नेता देवप्रसाद साहू, एसएमडीसी रामाधीन पारकर, उषा जैन, अध्यक्ष सेजस स्कूल ममता साहू, प्राचार्य एमएल चंदेल, प्राचार्य आईटीआई श्री खोब्रागडे, बूथ अध्यक्ष, वेद साहू, छात्र छात्राएं व स्टाफगण उपस्थित रहे।

इन्हें किया गया पुरस्कृत

बालक-बालिका वर्ग 9 से 15 वर्ष बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ प्रथम रोहन निर्मलकर, द्वितीय मिथलेश निषाद, 400 मीटर दौड़ प्रथम चिराग लहरें, द्वितीय कृष्ण कुमार, बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ प्रथम बिना साहू, द्वितीय निकिता पटेल, 400 मीटर दौड़ प्रथम भाग्यश्री, द्वितीय अर्चना निषाद, सुरीली खुर्सी खेमिन निषाद, सोनी खातून, कबड्डी प्रतियोगिता बालक वर्ग विनेश कुमार, देवकुमार, साहिल ठाकुर, तरुण कुमार, लोकेश्वर, अविनाश निषाद, ओंकार ठाकुर, खो-खो बालिका वर्ग सिमरन वैष्णव, प्रिया यादव, गायत्री निषाद, पुष्पांजलि वर्मा, नैना साहू, भूमिका राजपुत, खुशबू यादव,नंदनी सेन, मीरा साहू, बालक बालिका वर्ग 15 से 30 वर्ष 100 मीटर दौड़ प्रथम तनमय निर्मलकर, द्वितीय अभिषेक मेहता, 400 मीटर दौड़ प्रथम राजीव, साहू द्वितीय चेतन यादव, बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ प्रथम गायत्री द्वितीय अर्चना निषाद 400 मीटर दौड़ प्रथम अंकिता मांडवी, सुरीली दौड़ प्रथम राधिका यादव, द्वितीय प्राची नारंग, खो - खो मनु पारकर, नीलम शर्मा, कविता यादव, दिलेश्वरी निषाद, मोहिनी साहू, देविका सेन, अंचल साहू, नीलम शर्मा शामिल हैं।

बिजली कनेक्शन पर 2 से 3 गुना बढ़े दाम लोगों को लग रहा 440 वोल्ट का झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ में बिजली बिलों में दो महीने से हुई भारी वृद्धि से उपभोक्ताओं में नाराज़गी और असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। जिन परिवारों का खर्च पहले ही महंगाई के बोझ से चरम पर था. अब उन्हें हर महीने दोगुने से तीन गुना तक बढ़े हुए बिजली बिल का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व विधायक अरुण वोरा ने कहा कि शहरों से लेकर कस्बों तक, हर गली-मोहल्ले में नाराज़गी और असंतोष साफ़ देखा जा सकता है। लोगों का कहना है कि महंगाई तो पहले से बढ़ रही थी. अब बिजली बिल ने तो घर का बजट ही बिगाड़ दिया। नई व्यवस्था के तहत केवल 100 यूनिट तक की खपत करने वाले उपभोक्ताओं को ही छूट दी गई है। यानी अगर खपत 101 यूनिट भी हो जाए तो उपभोक्ता को पूरे बिल का भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर के लगभग साढ़े तीन लाख उपभोक्ताओं पर सीधा असर पड़ा है। उनका बिजली बिल औसतन दो से तीन गुना तक बढ़ गया है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा दो महीने से महंगे बिजली बिल से प्रदेश की जनता परेशान है, लेकिन सरकार को न लोगों की तकलीफ़ दिख रही है. न सुनाई दे रही है। प्रदेश की 90 प्रतिशत उपभोक्ता अब दोगुना बिल चुका रहे हैं। जब हर घर दीवाली की रौशनी से जगमग होना चाहिए था तब भाजपा सरकार ने अंधकार फैला दिया है।

बड़ों की सीख-सुरक्षित और भरपूर उल्लास के साथ मनाएं रोशनी का त्योहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

शनिवार को धनतेरस होने के कारण स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति अघोषित अवकाश जैसी रही। प्राचार्यों ने दीपावली पर्व की बधाई देते हुए विधार्थियो को मार्गदर्शन दिए कि आतिशबाजी माता पिता के संरक्षण में सुरक्षित ढंग से करे। दीपावली अवकाश एक हफ्ते का है।

अपने माता-पिता के संरक्षण में बच्चे करें आतिशबाजी

बेलहारी सेजस प्राचार्य वाई के साहू ने कहा कि दीपावली सनातन संस्कृति का महान पर्व है घर घर दीप जलती है अंधेरा दूर होता है भाईचारा पनपता है आतिशबाजी कर दीपोत्सव का पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाते है। प्राचार्य ने कहा कि आतिशबाजी करते समय विद्यार्थी माता पिता के संरक्षण में रहे।आतिशबाजी जितनी अच्छी लगती है उतनी सावधानी भी मांगती है।

दीपोत्सव संस्कार और मर्यादा की सीख देता है यह त्योहार

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर प्राचार्य पी एल बारले ने कहा कि दीपावली संस्कार और मर्यादा को इंगित करने वाला पर्व है ।आने वाले दिसंबर में अर्धवार्षिक परीक्षा होना है प्रेक्टिकल परीक्षा की तैयारी में जुटना है दीपावली के बाद पढ़ाई पूरे सबाब पर होगी इसलिए दीपावली में उतना ही आतिशबाजी करे जिससे किसी को नुकसान ना हो। श्री बारले ने कहा कि माता पिता भी सजग रहें। बच्चों की आतिशबाजी पर नजर रखे।

दीपमालिका से प्रकाशित होता है दीपोत्सव

शासकीय प्राथमिक शाला कुम्हली हेडमास्टर छन्नूलाल साहू ने बच्चो को बताए कि भगवान राम के वनवास से अयोध्या लौटने पर दीपोत्सव पर्व मनाया जाता है। सर्वस्त्र प्रकाश दीप मालिका से प्रकाशित होती है आतिश बाजी खुशियों को जाहिर करने का एक साधन है।लेकिन आतिशबाजी वाली खुशियों में सावधानी अधिक बरतनी चाहिए क्योंकि गफलत होने पर नुकसान भी पहुंचाती है।बच्चे माता पिता की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में सुरक्षित आतिशबाजी करे। दीप पर्व पर पटाखों और बारूद को लेकर हमेशा सावधान रहे और किसी भी अनहोनी की स्थिति में तुरंत प्राथमिक उपचार पर ध्यान दें।

अनुशासन में रहकर करें आतिशबाजी

शासकीय प्राथमिक शाला सुरपा डुलेश्वर कुमार टंडन ने कहा कि दीपावली पर्व पूर्ण हर्षोल्लास से मनाए लेकिन संभलकर कर आतिशबाजी करे अतिउत्साह में आतिशबाजी ना करे।माता पिता धरती के भगवान है उनकी बात माने उनकी आशीर्वाद लेकर दीपावली पर्व में चार चांद लगाए।मार्गदर्शन देते श्री टंडन ने विधार्थियो से कहा कि स्कूल में अनुशासन सिखाया जाता है और जो विद्यार्थी अनुशासन का पालन करते है उन्हें शाबाशी मिलती है।दीपावली का उत्सव पूरी अनुशासन के साथ आनंदमय मनाए।

खबर संक्षेप

लोक कलाकार पंचराम की पुण्यतिथि मनाई

सेलूद। ग्राम सेलूद पटेल चौक के साक्षरता स्मारक स्थल पर लोक कलाकार स्वर्गीय पंचराम बनपेला की 25 पुण्यतिथि मनाई गई। अपने समय में लीला मंडली, साक्षरता कला जत्था और छेरछेरा में अपनी अदभुत अभिनय के दम पर दर्शकों में छाप छोड़ने वाले लोक कलाकार पंचराम बनपेला का योगदान इस अवसर पर याद किया गया। सेलुद सरपंच खिलेश मारकंडे ने कहा कि हमेशा हंसमुख स्वभाव और मिलनसार रहे बनपेला के साथ मिलने बात करने से उनसे मिलने वाले का मन आनंदित हो जाता था। ग्राम सभा अध्यक्ष सुरेन्द्र बंछोर ने कहा कि पंचराम बनपेला अपने कला के माध्यम से गांव समाज व परिवार का मान बढ़ाने वाला कार्य किया था। सरपंच खिलेश मारकंडे, उपसरंच राकेश साहु, पुर्व ग्राम सभा अध्यक्ष सुरेन्द्र बंछोर, सरपंच खेमिन साहु, सेवानिवृत्त शिक्षक दऊवाराम वर्मा, पुर्व मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहु, तारेन्द्र बंछोर, अशोक जैन, बलराम वर्मा, अनिल बनपेला, कौशल बनपेला, संतोष वर्मा, दुलार ठाकुर, भुपेन्द्र वर्मा, दिलीप ठाकुर, विष्णु प्रसाद साहु, रमेश ठाकुर, भीखम धनकर, अशोक देवाँगन, बीरबल यादव, तुलाराम साहू , बिरेन्द्र ठाकुर आदि मौजूद थे।

निकुम में संघ का पथ संचलन लोगों ने किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ निकुम

राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में श्रीपीठ दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में निकुम मंडल के अतंगर्त क्षेत्र के गांव गांव से भव्य कार्यक्रम आयोजन हुआ । इस अवसर पर स्वंय सेवको ने पथ संचलन कर पारंपरिक शस्त्र की पूजा की। इस दौरान जगह-जगह स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता बौद्धिक प्रमुख गिरीश चौहान दुर्ग ने इस दौरान कहा कि संघ भारत माता को परम- वैभव के शिखर पर स्थापित करने के पुनित कार्य में लगा है। वही कार्यक्रम निकुम संघ संचालक भुपेन्द्र सोनी ने कहा कि यह संघ की केवल यात्रा नही, बल्कि हिन्दु समाज के आत्म विश्वास और विश्व कल्याण के संकल्प की यात्रा है। इस दौरान सघ में मंडल प्रमुख निकुम राहुल रजक निर्मलकर, भैया लाल साहू, निखिल साहू , राहुल निर्मलकर ,हेमराज निर्मलकर ,तेजराम पारकर और तोरण सिन्हा सहित बड़ी संख्या ग्रामीण रहे।

- स्वयं सेवकों ने पथ संचलन कर पारंपरिक शस्त्र की पूजा की

दीपावली एवं छठ को लेकर बढ़ती भीड़ के लिए

यात्रियों की भीड़ को देख पावर हाउस स्टेशन पर होल्डिंग एरिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दीपावली और छठ पर्व को लेकर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के भीड़ को देख उसे नियंत्रित करने के लिए पावर हाउस रेलवे स्टेशन में होल्डिंग एरिया पुलिस द्वारा बनाया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए इसे बनाया गया है। रेल सुरक्षा बल सहायता बूथ स्थापित भी किया है। जिसमें बल सदस्यों की प्रत्येक पाली में तैनाती बेहतर करेगें। जिससे यात्रियों को हर समय सहायता मिल सके।

छावनी पुलिस शासकीय रेलवे पुलिस के साथ मिलकर स्टेशन के प्रवेश और निकासी द्वारों पर बल सदस्यों की नियमित तैनाती की गई है। लाउडहैलर व पीए सिस्टम के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया जा रहा है। जिससे भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से स्टेशन परिसर की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। ट्रेनों के आवागमन के समय रेल सुरक्षा बल व शासकीय रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चेकिंग कर ट्रेनों को सुरक्षित रूप से पास कराया जा रहा है।निपटने के लिए विभागों और पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया गया। क्विक रिस्पांस टीम का गठन भी किया गया है। रेल मदद हेल्पलाइन नंबर 139 तथा शासकीय रेलवे पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1512 का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस दौरान निरीक्षक मनीष व रेलवे पुलिस बल तैनात था।

घटना को रोकने के लिए किया गया प्रयास

मीलपारा दुर्ग में गौरी-गौरा की तैयारी जोरों पर

दुर्ग। मीलपारा डिपरा वार्ड-38 दुर्ग में गौरी-गौरा का पूजन का कार्यक्रम रखा गया है। जिसमें गौरी-गौरा की प्रतिमा बनाने की तैयारी की जा रही है। जिसमें मोहल्लेवासियों द्वारा विधि-विधान और पारंपरिक रीति रिवाज के तहत देवालय से मिट्टी लाई जाती है और उसके बाद गौरी-गौरा की प्रतिमा बनाकर पूजन किया जाता है। गौरी-गौरा के स्थान पर बड़े ही आकर्षक ढंग से सजावट की गई है। मोहल्ले में चारों तरफ लाइटिंग की गई है। गौरी-गौरा के पूजन को लेकर काफी उत्साह है।

सांसद खेल महोत्सव का प्रथम चरण का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

खेलो इंडिया को एक नई उड़ान देने सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करना है। सांसद विजय बघेल के द्वारा पूरे लोकसभा क्षेत्र में प्रथम चरण खेल महोत्सव संपन्न हुआ। नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा क्षेत्र के वार्ड 40 ग्राम गनियारी में महोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रेम लाल साहू ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर है। क्षेत्रीय खेलों को बढ़ावा देना है। महोत्सव में भाजपा जिला भिलाई के महामंत्री प्रेमलाल साहू, पूर्व नपा अध्यक्ष सीता साहू , भाजपा चरोदा मंडल अध्यक्ष वरुण यादव , मंडल महामंत्री श्याम सुंदर जायसवाल,मंडल उपाध्यक्ष रवि नाहर, बालमुकुंद वर्मा, मंडल मंत्री डॉ निर्मला भारती, राजेंद्र साहू, मलय बैनर्जी, अजा मोर्चा मंडल अध्यक्ष बल्लू राम कुर्रे, वाय नारायण राव,कमलेश पांडेय मौजूद थे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

दुर्ग। पूरे शहर के हृदय स्थल में स्थित इंदिरा मार्केट दुर्ग, शॉप नंबर 64बी, प्रिया श्रृंगार सदन के सामने अपने शोरूम रेड एंड व्हाइट कलर के लिए जाना माना सुप्रसिद्ध शॉप ओम ज्वेलर्स में दीपावली के अवसर पर विशेष डिस्काउंट एवं विशेष छूट अपने सभी कस्टमर को दिया जा रहा है। जहां आपको एडवांस बुकिंग करने पर तत्काल जितना ग्राम सोना उतना ग्राम चांदी फ्री एवं शादी के गहनों की शॉपिंग पर डिस्काउंट के साथ इंपोर्टेड वॉच एवं इंपोर्टेड टूरिस्ट बैग तत्काल प्रदान की जाती है। श्री ओम ज्वेलर्स के संचालक सोनी ने बताया कि धनतेरस से लेकर लक्ष्मी पूजा तक दिवाली में भीड़ होने की वजह से ग्राहकों को विस्तार से डिजाइन दिखाने में सुविधा होती है। अपने ग्राहकों को भीड़ भाड़ से बचने के लिए धनतेरस से पहले बुकिंग करें एवं धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर अपने मनपसंद जेवर घर ले जाएं। हमारी शॉप में टोटल हॉलमार्क गहने जिसमे 6 अंकों का huid कोड ही जेवर उपलब्ध होती है जो 100% विश्वनीयता पर खरा रहती है। पूरे क्षेत्र में सबसे कम मेकिंग चार्ज पर गहने प्रदान की जाती है। हमारी शॉप में कम कीमत से अधिक कीमत की गहने उपलब्ध हैं जिसमें हर फैमिली के बजट अनुरूप गहने उपलब्ध मिलती है। जहां सोने का हार चोकर नेकलेस 5 ग्राम से स्टार्ट है। सोने की अंगूठी, झुमका, ऐयरिंग, डबल कुंडा, फैंसी लॉकेट, मंगलसूत्र, टॉप्स 2 ग्राम से शुरू है। हमारे शॉप में 916 हॉलमार्क 833 हॉलमार्क 750 हॉलमार्क के गहने उपलब्ध है एवं चांदी में डायमंड सेट हार सेट 925 के सिल्वर बैंकॉक के इंपोर्टेंट वॉच न्यू डिजाइन उपलब्ध है। साथ ही पायलों की विस्तृत रेंज जैसे नई वैरायटी के करधन, पायल, बैंगल्स, हाथ फूल, बिछिया, चैन, लॉकेट की एक से बढ़कर एक वैरायटी उपलब्ध है। वहीं हमारे शॉप में टोटल ओपन डिस्प्ले होने की वजह से मनपसंद गहने खरीदने में सुविधा होती है। सभी प्रकार के चेक, ऑल एटीएम एवं क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड एक्सेप्ट की सुविधा है। आशा है बेहतरीन से बेहतरीन डिजाइन लेने के लिए आज ही ओम ज्वेलर्स जरूर पधारे।

कांती ज्वेलर्स में दिपावली का धमाका ऑफर

भिलाई। सिरसा रोड चांदनी चौक कोहका भिलाई में संचालित कांती ज्वेलर्स में ग्राहकों के लिए दिपावली के शुभ अवसर पर उपहारों की बरसात एवं दिवाली धमाका ऑफर दिया जा रहा है। ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि खुशियों के रंग कांती ज्वेलर्स के संग के तर्ज पर ग्राहकों के लिए कई प्रकार के आकर्षक उपहारों का ऑफर दिया जा रहा है। कांती ज्वेलर्स 17 वर्षों से ग्राहकों की सेवा में लगा हुआ है। 22 सितंबर से 25 हजार की खरीदी पर लक्की ड्रा कूपन दिया जा रहा है। कूपन का ड्रा 1 जनवरी 2026 को खोला जाएगा जिसमें विशेष आकर्षक उपहार ग्राहकों को दिया जाएगा। कांती ज्वेलर्स की स्वर्ण एवं चांदी संचय योजना के तहत 1 हजार, 2 हजार, 5 हजार के 12 माह के आसान किस्तों में उपलब्ध है। जमा करने से 1 माह छूट मिलेगा। कांती ज्वेलर्स में डायमंड, सोना, चांदी के आकर्षक डिजाइन के गहने उपलब्ध है साथ ही राशि रत्न भी उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए कांती ज्वेलर्स दुकान में संपर्क किया जा सकता है।

क्लासिक में है सबसे बेहतर सजावटी आयटम

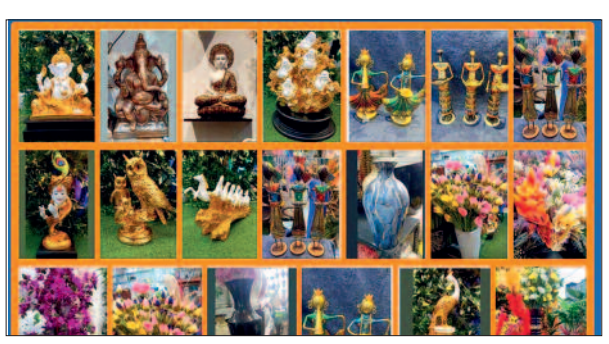

भिलाई। गील कम्प्लेक्स फर्स्ट फ्लोर यशोदानंदन हॉस्पिटल के पास गुरुद्वारा रोड, स्टेशन रोड दुर्ग में स्थित क्लासिक इंटीरियर, एक्सटेरियर डेकोओ एंड स्मृति पोट्स संचालित है। जहां कॉस्टमीज्ड, आर्टिफिशियल ट्री, आर्टिफिशियल फ्लॉवर, प्लान्ट्स, डिजायनर फाउन्टेन, वर्ल्ड क्लास एक्वेरियम, वर्टीकल गार्डिन आयटम, इन्डोर/आउटडोर डेकोरेटिव आयटम घर, फार्म हाउस, बंगलो, शॉप, मैरिज हॉल को सजाने के लिए बहुत सारे आयटम उपलब्ध है। हरा घास, पीला घास, नीला घास और अन्य साज-सज्जा के बहुत सारे कलेक्शन उपलब्ध है। क्लासिक ग्राहकों के सपनों को डिजाइन करते है। क्लासिक में सभी प्रकार के स्मृति पॉट्स, पॉट्स फाइबर, ब्लास, वूडन, सिरेमिक, डेकोरेटिव आयटम, ब्लू पोटेटरी, मेटल, प्लास्टिक के डेकोरेटिव आयटम इन्डोर/आउटडोर प्लान्ट्स उपलब्ध है।

परिक्षेत्रीय साहू समाज रसमड़ा का निर्विरोध हुआ चुनाव

अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के परिक्षेत्रीय साहू समाज रसमड़ा का चुनाव कर्मा भवन रसमड़ा में हुआ। जिसमें डॉ. दयाराम साहू उपाध्याक्ष तहसील साहू समाज निर्वाचन अधिकारी, नंदकुमार साहू अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू समाज खोपली, चुनाव पर्यवेक्षक प्रीतम साहू पूर्व अध्यक्ष तहसील साहू समाज और चुनाव पर्यवेक्षक अध्यक्ष रोहित साहू गनियारी की उपस्थिति में चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष रूप सिंह साहू ग्राम रसमड़ा सचिव, नारायण साहू ग्राम खपरी कोषाध्यक्ष, लेखराम साहू ग्राम अंजोरा, उपाध्यक्ष पुरुष लालचंद साहू अंजोरा, उपाध्यक्ष महिला तारामती साहू खपरी, संगठन सचिव पुरुष मीनू साहू ग्राम खुरसुल और संगठन सचिव महिला ममता साहू रसमड़ा सभी निर्विरोध निर्वाचित हुए। परिक्षेत्रीय साहू समाज के 12 गांव के अध्यक्ष चेतन साहू महमरा, गौकरण साहू पिपरछेड़ी, त्रिभुवन लाल साहू खपरी, गौकरण साहू बीरेझर, हिमाचल साहू अंजोरा, डॉ. नरेंद्र साहू बिरेझरभाठा, पीताम्बर साहू मोहलई, शिवकुमार साहू सिलोदा, संतोष साहू गनियारी, भागवत साहू रसमड़ा, डामेश साहू थनौद, गौतम साहू खुरसुल और परिक्षेत्रीय साहू समाज के 35 पदाधिकारियों ने इस चुनाव में अपनी भागीदारी दी।

संख्याक- 4 संक्षिप्त वाद में समन
(आदेश 37 का नियम 2)
व्यवहार वाद प्र.क्र.- 62 बी/2025
प्रो. क्र.- 1142/2025,
पेशी दिनांक -24.11.2025
श्रीमती मिनी अग्रवाल
// विरुद्ध //
Scottish Liquor Private Limited वगैरह

प्रेषिती- Scottish Liquor Private Limited Through- Managing Director पंजीकृत कार्यालय शॉप नं.- 75/ए, ए- मार्केट, सेक्टर- 01, भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन 490001.

श्रीमती मिनी अग्रवाल ने सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 37 के अधीन आपके विरुद्ध 15,00,000/- रूपयों और ब्याज के लिए वाद संस्थित किया है। आपको समन किया जाता है कि आप इस समय की तामील होने की तारीख से दस दिन के भीतर उपसंजात (हाजिर) हों। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो दस दिन की उक्त अवधि के बीत जाने के पश्चात् वादी को 15,00,000/-रूपयों से अनधिक राशि के लिए और खर्चों की बाबत 15,00,000/- रूपयों की राशि के लिए ऐसे ब्याज सहित, यदि कोई हो, जैसा न्यायालय आदिष्ट करें, डिक्री अभिप्राप्त करने का हक होगा । यदि आप उपसंजात होते हैं तो वादी तत्पश्चात् आपको निर्णय के लिए समन तामील करेगा जिसकी सुनवाई के समय आपको वाद की प्रतिरक्षा करने की इजाजत के लिए न्यायालय से समावेदन करने का हक होगा । यदि आप शपथपत्र द्वारा या अन्यथा न्यायालय का यह समाधान कर देते हैं कि वाद की प्रतिरक्षा गुणागुण के आधार पर की जा सकती है या यह युक्तियुक्त है कि आपको प्रतिरक्षा करने के लिए अनुज्ञा दी जानी चाहिए तो प्रतिरक्षा करने की इजाजत दी जा सकेगी । यह आज तारीख 15.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

(पी. एस. मरकाम)
मुहर अष्टम जिला न्यायाधीश , जिला- दुर्ग (छ.ग.)

सुआगीत महोत्सव में स्कूली बच्चों ने दी प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

समीपस्थ ग्राम विनायकपुर के पी एम श्री शासकीय प्राथमिक शाला विनायकपुर, संकुल केंद्र विनायकपुर में दीपावली पूर्व सुआगीत महोत्सव का आयोजन शनिवार को किया गया।

- भारतीय संस्कृति को जीवंत रखने का प्रयास किया बच्चों ने

जिसमें गांव के सरपंच योगेन्द्र दिल्लीवार, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ,हाई स्कूल के अध्यक्ष मोती मार्कण्डेय, समिति के सदस्य स्मृति सोनी,गुंजा साहू, दिनेश देशमुख, टीकेन्द्र चन्द्राकर (प्रधान पाठक), विजेता सुर्यवंशी, चमेली ठाकुर, मनोरमा हालदार, अंजू साहू, दीपमाला चन्द्राकर और खिलेन्द्र यादव के साथ ग्रामीण जन उपस्थित थे। शाला के अध्ययनरत कक्षा 1-5 तक के बच्चों ने पारंपरिक सुआगीत, राऊत नाच की छत्तीसगढ़िया विधा को जीवंत कर दिया। अध्ययनरत बच्चों ने स्वस्फूर्त होकर नृत्य और पारंपरिक वेशभूषा की तैयारी की थी। बच्चों द्वारा राम,लक्ष्मण, सीता, हनुमान, शंकर भगवान की वेशभूषा में आकर भारतीय संस्कृति को जीवंत रखने का प्रयास किया गया।

सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत बच्चों को छत्तीसगढ़ी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया गया। सुआ त्योहार के माध्यम से उसमें निहित वैज्ञानिकता और महत्व पर प्रकाश डाला गया। योगेन्द्र दिल्लीवार ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के द्वारा भी बच्चों में दक्षता का विकास संभव है। प्राथमिक शाला विनायकपुर के प्रधान पाठक टीकेन्द्र चन्द्राकर एवं सभी शिक्षकों के विशेष प्रयास से प्राथमिक शाला को समुदाय से भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। सुआ गीत महोत्सव के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत सहयोगकर्ताओ का सम्मान ज्ञापित किया गया।

वर्ल्ड स्टैंडर्ड्स डे पर उपलब्धि

भिलाई। बीएसपी को ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस), रायपुर शाखा द्वारा सबसे पुराना बीआईएस लाइसेंसी होने के नाते सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार वर्ल्ड स्टैंडर्ड्स डे 2025 के अवसर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

जागरुकता के प्रयासों से गर्भवती का सुधरा स्वास्थ्य

अंडा। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला दुर्ग द्वारा 2025 के दौरान सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में थीम आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शिशु और छोटे बच्चे के स्तनपान (आईवाईसीएफ) थीम के आधार पर प्रथम प्रसव से जन्मे बच्चे की माता एवं परिवार को सतत स्तनपान के उद्देश्यो के आधार पर गृहभेंट के माध्यम से स्तनपान के महत्व पर समझाईश दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम भानपुरी आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में नियमित गृहभेट और पोषण खजानी के खाने के तरीके की लगातार व प्रभावी समझाइश से नई बहु पुष्पा ठाकुर पति केवल ठाकुर दंपति के यहां 2.700 किलो की बच्ची ने जन्म लिया है।

जगजीवन आयुर्वेद

धातु की कमी, नामर्दी उत्तेजना की कमी, लिंग में छोटापन, ढीलापन, पतलापन, टाईमिंग की कमी, शुगर से सेक्स में कमी, शुक्राणु की कमी संतान न होना, आदि सभी गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज किया जाता है.
आज ही गारंटी से इलाज कराएँ.
पुलगाँव चौक, महालक्ष्मी मार्केट शॉप नं.C11
दुर्ग, मो. 7869433660 , 9399486858

HEALTH TOWN
आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
Dr. Rituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi vaidya
Sri Sri tattva
Bangalore
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज
पता: चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

144 मेधावी स्टूडेंट्स को उच्च शिक्षा के लिए वितरित की प्रधानमंत्री ट्रॉफी स्कॉलरशिप

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर में प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रधानमंत्री ट्रॉफी सेल मेरिट एवं मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे व विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता तथा महाप्रबंधक प्रभारी संजीव श्रीवास्तव उपस्थित थे। इस अवसर पर पुरस्कार विजेता विद्यार्थी तथा पालक उपस्थित थे। ईएमएमएस-सेक्टर 6 के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

इस वर्ष मेरिट एवं मेरिट-कम-मीन्स श्रेणियों में कुल 186 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 144 विद्यार्थियों का चयन किया गया। चयनित विद्यार्थियों में 42 छात्र-छात्राएँ अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से हैं। तकनीकी और गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए 11 हजार रुपये की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त सेल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के बच्चों में से एक छात्रा को तकनीकी क्षेत्र हेतु 3 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी गई। 16.13 लाख रुपये की राशि छात्रवृत्ति के रूप में वितरित की गई। इन छात्रवृत्तियों का चयन कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर किया गया।

बीएसपी का पीएम ट्रॉफी छात्रवृत्ति पुरस्कार वितरण समारोह

शैक्षणिक उत्कृष्टता बढ़ाएं

पवन कुमार ने कहा कि पीएम ट्रॉफी छात्रवृत्ति का उद्देश्य केवल आर्थिक सहयोग प्रदान करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, मनोबल एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने चुने हुए अध्ययन क्षेत्रों में उत्कृष्टता की मशाल को प्रज्ज्वलित रखते हुए अटूट समर्पण और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ें। शिक्षा विभाग की प्रमुख महाप्रबंधक शिखा दुबे ने बताया कि प्रधानमंत्री ट्रॉफी छात्रवृत्ति बीएसपी की एक विशेष पहल है, जिसमें प्रधानमंत्री ट्रॉफी की पुरस्कार राशि से अर्जित ब्याज का एक हिस्सा योग्य मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता सजीता राजेश और वरिष्ठ शिक्षिका महुवा चटर्जी और बीएसपी एसएसएस-10 की प्राचार्य सुमिता सरकार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

खबर संक्षेप

इस्पात भवन के सामने रोड डिवाइडर को मिला आकर्षक स्वरूप

भिलाई। इस्पात भवन के समक्ष स्थित रोड डिवाइडर का उन्नयन कर आकर्षक रूप प्रदान किया गया। आज कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बिजय कुमार बेहेरा, सीजीएम संदीप माथुर तथा उत्पल दत्ता की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया। रोड डिवाइडर में फव्वारें व पीएम ट्रॉफी तथा छत्तीसगढ़ की लोककला का चित्रण किया गया है। इस अवसर पर जीएम गण एबी श्रीनिवास, जेएन ठाकुर, शिवराजन, अमूल्य प्रियदर्शी, प्रशांत तिवारी, सौमिक डे, राजीव कुमार, विष्णु पाठक तथा डॉ. नवीन कुमार जैन सहित डीजीएम आ. गर्ग, डीसी सिंह, रवि कुमार फुले, सरोज झा, विवेक गुप्ता, उप प्रबंधक संजीव सरस्वत सहित नगर सेवाएं विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

पीएम आवास हितग्राहियों को किस्त जारी

भिलाई। प्रधानमंत्री ने सबके लिए आवास के संकल्प को साकार करने की दिशा में नगर निगम भिलाई द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत स्वीकृत आवास के हितग्राहियों को दिपावली पर्व के उपलक्ष्य में 250 लाभार्थियों को आवासीय सहायता का पहला किस्त के रूप में लगभग 1 करोड़ 57 लाख रूपये एवं द्वितीय किस्त 25 लाभार्थियों को लगभग 21 लाख 75 हजार रूपये का लाभ प्रदान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के बैंक खातों में सीधे राशि हस्तांतरित कर दिया गया है।

प्रशिक्षण शिविर में प्राकृतिक खेती पर जोर

अंडा। केंद्र प्रवर्तित योजना अंतर्गत किसानों को प्रोत्साहित कर प्राकृतिक खेती करने के लिए विकासखंड दुर्ग के ग्राम आमटी का चयन किया गया है। ग्राम के 62 कृषकों को 62 एकड़ जमीन पर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए समय समय पर कृषकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय व कृषि विज्ञान केंद्र अंजोरा में भी कृषकों को वैज्ञानिकों के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ग्राम आमटी के कृषकों को वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम में ही धान व अन्य फसलों में जैविक उत्पाद डालने के लिए उन्हीं के खेतों में जैविक उत्पाद बनाना सिखाया गया तथा रासायनिक कीटनाशकों के दुष्प्रभाव के बारे में किसानों को बता कर जैविक कीटनाशक के संबंध में किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाई जा रही है। जैविक उत्पाद के रूप में किसान अपने खेत में जैविक कीटनाशक स्वयं बनाकर अपने खेत में उपयोग कर रहे हैं, जिसमें किसानों को कम लागत में उच्च गुणवत्ता उक्त अनाज एवं सब्जी प्राप्त कर रहे हैं।

उक्त कार्यक्रम में कृषि स्थाई समिति के अध्यक्ष गोकुल वर्मा, संचार समिति के अध्यक्ष लोमेश चंद्राकर, कृषि वैज्ञानिक उमेश पटेल, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी नवीन खोबरागड़े, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी दिव्या चंद्राकर ग्राम पंचायत आमटी की सरपंच दुर्गा पुरुषोत्तम चौधरी, अशोक चौधरी आदि मौजूद थे।

नए नियमों को यूनियनों ने बताया दमनकारी, दी आंदोलन की चेतावनी

ईपीएफओ का फरमान, अब कर्मियों को बचत का 25 प्रति. न्यूनतम शेष राशि के रुप में रखना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

36 महीने की बेरोजगारी की भी रखी गई शर्त

भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा जारी किए गए नए निकासी नियमों से सेल भिलाई इस्पात संयंत्र सहित देश के सभी सार्वजनिक उपक्रमों के कर्मियों में असंतोष है। नए नियमों के अनुसार कर्मचारियों के लिए पीएफ का 25 प्रतिशत न्यूनतम राशि के रुप में रखना अनिवार्य कर दिया गया है। इस नए नियम को वापस लिए जाने के लिए यूनियनें एकजुट हो रही हैं। एटक यूनियन ने नए नियमों को कर्मचारियों के लिए नुकसानदेह बताते हुए तत्काल वापस लिए जाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि भविष्य निधि संगठन ईपीएफओ द्वारा जारी किए गए नए निकासी नियमों के अनुसार, कर्मचारियों की बचत का 25% न्यूनतम शेष राशि के रूप में रखना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त, अंतिम पीएफ निकासी के लिए 12 महीने की लगातार बेरोज़गारी और अंतिम पेंशन निकासी के लिए 36 महीने की लगातार बेरोज़गारी की शर्तें रखी गई हैं। केंद्रीय यूनियनों द्वारा नियम को पूर्णतः दमनकारी बताते हुए वापस नहीं लिए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। एटक के यूनियन के विनोद कुमारी सोनी ने बताया कि सरकार द्वारा इन प्रतिबंधों को लागू करने के लिए दी गई सेवानिवृत्ति सुरक्षा की दलील अस्वीकार्य है। बेरोज़गार व्यक्ति के सामने वित्तीय संयम की बात करना एक निर्मम मज़ाक है। ईपीएफओ के आँकड़ों के अनुसार, 87% सदस्यों के खाते में 1 लाख रुपए से कम राशि है और इनमें से 50% के पास 20 हजार रुपए से भी कम है। यह स्वयं कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति का प्रमाण है। एक ही आकार सब पर लागू" का सिद्धांत यहाँ लागू नहीं हो सकता।

सेवानिवृत्ति की सुरक्षा नहीं

यूनियन के मुताबिक अधिकांश सदस्यों की वित्तीय अस्थिरता का कारण उनकी कम मजदूरी है। ऐसे में बचत का 25% हिस्सा न्यूनतम शेष के रूप में रोकना केवल कमजोरों का शोषण है। अधिकांश कर्मचारियों के लिए यह तथाकथित सुरक्षित राशि इतनी कम है कि यह सेवानिवृत्ति सुरक्षा नहीं दे सकती है। लेकिन इतनी बड़ी है कि उसे न मिलने से कर्मियों को भारी आर्थिक परेशानी होती है।नौकरियों के नुकसान, बार-बार रोजगार बदलने की प्रवृत्ति, अस्थिर आय, आसमान छूती महंगाई, शिक्षा व स्वास्थ्य की बढ़ती लागत — ये सभी कारण कर्मचारी को मजबूर करते हैं कि वह अपनी बचत का उपयोग करे। ऐसे में निकासी की अवधि बढ़ाना और एक हिस्से को "सेवानिवृत्ति सुरक्षा" या "आवेगपूर्ण निकासी रोकने" के नाम पर रोकना अन्यायपूर्ण है।

बचत पर नियंत्रण से कर्मी राशि को लेकर आशंकित

प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मेहनत की कमाई पर पूर्ण अधिकार है। राज्य द्वारा कर्मचारियों की बचत पर जबरन नियंत्रण कर एक कोष बनाना 'चोरी' के समान है। कर्मचारी इसे लेकर सकते में हैं कि कि नए नियमों के तहत पूर्ण निकासी' का अर्थ है पात्र राशि का केवल 100% हिस्सा इसमें रोकी गई 25% न्यूनतम शेष राशि शामिल नहीं है। जिन नियमों को वित्तीय अनुशासन बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया बताया जा रहा है, वे औसत वेतनभोगी व्यक्ति की वास्तविक जीवन स्थितियों और तार्किकता की कसौटी पर बुरी तरह असफल है।

एआईटीयूसी का मानना है कि ईपीएफओ के ये संशोधित नियम अव्यावहारिक और तर्कहीन हैं। "गैर-मौजूद कोष की रक्षा" के नाम पर बेरोजगारों को "सहायता" देने का दावा वास्तव में उनके बचत पर अधिकार से वंचित करना है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एआईटीयूसी केंद्रीय न्यासी मंडल (**CBT**) से अपील करती है कि बिना किसी विलंब के इन अधिसूचनाओं को तुरंत वापस लिया जाए।

सेल वन डे चेयरमैन स्पर्धा के विजेता हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेल द्वारा मई माह में आयोजित वन डे ऐज़ ए चेयरमैन' प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने के लिए को भिलाई इस्पात संयंत्र में इस्पात भवन के निदेशक प्रभारी सभागार में पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। मई माह में प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता के तहत 756 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से शीर्ष 15 में से चयनित भिलाई इस्पात संयंत्र के 3 प्रतिभागियों सहायक महाप्रबंधक (सोनभ चंद्र पांडे, जूनियर इंजीनियर अजय तामुरिया तथा जूनियर इंजीनियर जितेन्द्र रामटेके को निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

यह प्रतियोगिता सेल कॉर्पोरेट कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित की गई थी, जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मक एवं नवोन्मेषी सोच प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया।समारोह में कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक एके चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बीके गिरी, कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक तापस दासगुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, सहित विजेता प्रतिभागियों के विभागाध्यक्षगण सीजीएम योगेश शास्त्री, चिंतला श्रीकांत एवं संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। तीनों विजेताओं ने प्रतियोगिता में प्रस्तुत विषय-विचारों का प्रस्तुतीकरण किया ।

श्री महापात्र ने कहा कि प्रतिभागियों ने जिस गहराई और व्यावहारिक दृष्टिकोण से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं, वे भविष्य में संगठन की प्रगति की दिशा तय करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने प्रतिभागियों को सतत रूप से सीखने और अवलोकन की प्रवृत्ति बनाए रखने की प्रेरणा दी।

काम पर लौटे कर्मी

आखिरकार ठेकेदार ने सफाई कामगारों को दिया वेतन, 3 दिनी धरना समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

टाउनशिप के आवासीय सीवरेज सफाई कामगारों की दिवाली अब फीकी नहीं रहेगी। पिछले तीन दिनो से वेतन की मांग को लेकर नगर सेवाएं विभाग कार्यालय के सामने चल रहा काम बंद विरोधी प्रदर्शन मांग पूरी होने पर शुक्रवार को समाप्त हो गया।

सफाईकर्मियों ने इसे कर्मियों के संघर्ष की जीत लोकतांत्रिक इस्पात एवं इंजीनियरिंग मजदूर यूनियन के बैनर तले टाउनशिप के सेक्टर 7,8,9,10 के आवासीय सीवरेज लाइन और गटर की सफ़ाई में कार्यरत ठेका सफ़ाई कामगार सितंबर माह का बकाया वेतन,बोनस भुगतान की मांग को लेकर सोमवार से सफाई का रोककर बेमुद्दत विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। बकाया वेतन बोनस पिछला ठेकेदार अमरनाथ द्विवेदी के समय का था। वर्तमान ठेकेदार एमडीएस फेसिलिटीस द्वारा पूरा मासिक वेतन भुगतान करने पर वापस धरना वापस ले लिया गया। लोइमू यूनियन के संगठन सचिव जय प्रकाश नायर व महासचिव सुरेंद्र मोहंती ने बताया कि पिछले तीन दिन में ठेकेदार एवं प्रबंधन के द्वारा कामगारों पर आधा वेतन लेने के लिए दबाव पुरजोर दबाव बनाया गया। ठेकेदार द्वारा कामगारों के बैंक खाते में सितंबर माह का आधा वेतन भेज भी दिया गया। कामगारों की एकजुटता और संघर्ष के बदौलत, ठेका एजेंसी को पूरा वेतन भुगतान करना पड़ा। वेतन मिलने के बाद यूनियन ने धरना खत्म करन की घोषणा कर कामगार 3 बजे से टाउनशिप में अपने सफाई के काम पर लौट गए। कामगारों ने कहा है कि अब भी पिछला बोनस, अंतिम भुगतान, और वर्तमान ठेकेदार का बोनस की लड़ाई जारी रहेगी।

कामगारों की एकता को तोड़ने के लिए प्रबंधन द्वारा, दूसरे जोन के कामगारों को काम बंद सेक्टर में काम करने का भी दबाव बनाया गया।

लेकिन संगठन की संघर्ष की दिशा और पूरे सेक्टर के सीवरेज कामगारों की एकता के कारण ये दाव भी असफल रहा। यूनियन की संगठन सचिव जय प्रकाश ने एवं महासचिव सुरेंद्र मोहंती ने इसे आंशिक सफ़लता से सबक लेने एवं संगठन को और भी ज्यादा मजबूत करने का आव्हान किया। बीएसपी प्रबंधन से मांग की है कि, अमरनाथ द्विवेदी का बकाया बोनस भुगतान, वर्तमान ठेकेदार एमडीएस का बोनस भी दिवाली पूर्व भुगतान कराने की मांग की।

बस चालकों ने किया नशा ट्रैफिक पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

स्कूली बच्चों से भरी बस के दो चालक शराब के नशे में ट्रैफिक पुलिस को मिले। चालको द्वारा सुरक्षा के साथ लापरवाही बरतने के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई की है। दोनोंकी बसों को जब्त कर न्यायालय भेज दिया है।

ट्रैफिक एएसपी रिचा मिश्रा ने बताया कि बुधवार सुबह बोगदा पुलिया जामुल के पास ट्रैफिक पुलिस ने नागसेन स्कूल की बस सीजी 07 इ 1427 को जांच के लिए रोका गया। बस में 15 बच्चे सवार थे जो स्कूल जा रहे थे। जांच के दौरान चालक मणिक दास का ब्रीथ एनालाइजर से परीक्षण किया गया। जिसमें अल्कोहल पीना पाया। इसके अलावा जांच के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने दूसरी बस सीजी 07 सीआर 8511) को रोका। इस बस

- ब्रीथ एनालाइजर से किया गया परीक्षण

को दिनेश कुमार ठाकुर चला रहा था। परीक्षण में 84 अल्कोहल सेवन पाया गया। पुलिस ने इस मामले में भी एम.वी. एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए वाहन जब्त कर न्यायालय भेजा।

जेएलएन अस्पताल में सीपीआर जागरूकता सप्ताह, बेसिक लाइफ सपोर्ट में किया जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नर्सिंग स्टॉफ की रही सहभागिता

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी निर्देशों के तहत बीएसपी के जेएलएन अस्पताल सीपीआर जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. उदय कुमार डां. आश्विन उपस्थित थे।

डॉ. जयीता सरकार, डॉ. अमित अग्रवाल तथा डॉ. निलेश चंद्र द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस), कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) की व्यावहारिक तकनीकें, आपातकालीन स्थिति में उपस्थित लोगों (बाईस्टैंडर्स) की भूमिका तथा सीपीआर के दौरान पालन किए जाने वाले क्या करें और क्या न करें विषयों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण में अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ, एम्बुलेंस ड्राइवरों तथा नर्सिंग सहायकों ने भाग लिया। सत्र के दौरान यह विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि आपात स्थिति में त्वरित और सही हस्तक्षेप जीवन बचाने में कितना महत्वपूर्ण होता है, और प्रत्येक व्यक्ति इस श्रृंखला में अपनी भूमिका कितनी प्रभावी ढंग से निभा सकता है। सभी प्रतिभागियों ने ऑनलाइन कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) प्रतिज्ञा ली।

जिले के स्कूलों में की जा रही मॉनिटरिंग

दुर्ग। जिले में शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा ने अवगत कराया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शिक्षा गुणवत्ता पर दिये गये निर्देश पर कक्षा 5वीं, 8वीं एवं 10वीं, 12वीं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हेतु स्कूलों का निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान विलंब से शाला आने अथवा समय पूर्व शाला से जाने वाले शिक्षकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर उन्हें शाला समय व अनुशासन का ध्यान रखने तथा शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया जा रहा है। आलबरस स्कूल में आकस्मिक निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि वहां पदस्थ सहायक शिक्षक विनोद कुमार साहू द्वारा शाला समय से एक घंटा पूर्व पहुंचकर पढ़ाई करा रहे है।

कीट एवं रोग प्रबंधन के लिए जारी की सलाह

दुर्ग। बारिश के बाद तेज धूप से उमस के कारण धान की फसल में तना छेदक, पत्ती मोड़क, भूरा माहू, ब्लड वर्म, पेनिकल माइट एवं जीवाणु जनित झुलसा जैसे कीटव्याधि की समस्या उत्पन्न हो रहीं है। समस्याओं के नियंत्रण हेतु उप संचालक कृषि जिला-दुर्ग द्वारा जिले के मैदानी अमलों को कृषकों के खेतों का सतत निरीक्षण किये जाने एवं समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन हेतु समय-समय पर कृषकों को समसामयिक सलाह देने के निर्देश दिये जा रहे हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि भूरा माहो के नियंत्रण हेतु 24 घण्टे के लिए पानी का निकास करने से कीट नियंत्रण में सहायता मिलती है। तनाछेदक कीट के वयस्क दिखाई देने पर फसल का निरीक्षण कर तनाछेदक के अण्डों को एकत्र कर नष्ट कर दे तथा डेड हार्ट को निकाल दें।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 19 अक्टूबर 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

03

माइग्रेन रोगियों में बढ़ जाता है स्ट्रोक का खतरा, इन स्वास्थ्य समस्या वाले युवा भी रहें सावधान

लाइव इवेंट

बांग्ला में दी गीतों की प्रस्तुति, नारियल लड्डू से कराया मुंह मीठा

भिलाई। छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज भिलाई कैंप क्षेत्र के सदस्यों द्वारा कैम्प 2 विवेकानंद नगर बंगाली मोहल्ला हरि संघ काली मंदिर के प्रांगण में विजया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्ति सहित समाजिक जन शामिल हुए और सभी ने गुड़ के बनाए गए नारियल लड्डू एक दूसरे को खिलाकर मुंह मीठा कराया। दुर्गा पूजा के बाद बंगाली समाज का एक पारंपरिक यह उत्सव है।

- छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज भिलाई कैंप क्षेत्र

इस अवसर पर महिला सदस्यों के द्वारा कृष्णा मास पर होने वाले सामूहिक पाठ और बांग्ला भाषा में गीतों की प्रस्तुति दी गई। समाज के विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी की गई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ बंगाली मित्र समाज के प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील, सुमित घोषाल, तपन दास, काजल चक्रवर्ती, अमिताभ सरकार, विद्युत चौधरी, डॉ मजूमदार, जितेन्द्र सरकार उपस्थित थे। सभी ने छत्तीसगढ़ बंगाली बंधु समाज से ज्यादा से ज्यादा जुड़ने की अपील की। प्रदेशाध्यक्ष सुमन शील ने कहा कि समाज एक बड़ा व्यापक समूह है जो संस्कृति को साझा करता है। छत्तीसगढ़ में बंगाली समाज की आबादी 8 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद आज भी बंगाली समाज अपने अधिकारों से वंचित है। जिसके लिए हमें एकजुट होने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में भिलाई विधानसभा महिला विंग का अध्यक्ष तुलसी राय, वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र महिला विंग की अध्यक्ष काजल राय, वार्ड 33 विवेकानंद नगर कैंप 2 महिला विंग अध्यक्ष नर्मदा राय की घोषणा कर नियुक्ति पत्र सौंपा गया। समारोह में विवेकानंद नगर निवासी 80 वर्षीय अल्पना राय को आने वाली पीढ़ी के साथ बंगाली संस्कृति का अलख जगाने का कार्य करने अतिथियों दवरा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

सिटी इवेंट

इंटर कालेज जूडो स्पर्धा में 18 टीमों ने लिया भाग, स्वरूपानंद ने जीता 5 गोल्ड मैडल

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय स्तरीय इंटर कालेज जूडो प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष वर्ग का आयोजन अपोलो कॉलेज अंजोरा दुर्ग में किया गया। जिसमें 18 कॉलेज की टीमों ने भाग लिया। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय से 5 खिलाड़ी महिला वर्ग में स्नेहा नियोगी, सपना यादव और पुरुष वर्ग में राज सिंह, आदित्य सिंह और वरुण कुमार लहरे ने भाग लिया। पांचो ही खिलाड़ियों ने अपने-अपने वेट कैटेगरी में अपने प्रतिद्वंदियों को पराजित कर प्रथम स्थान पर रहकर स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपने महाविद्यालय को विश्वविद्यालय चैंपियन बनाया। इसके पूर्व शंकराचार्य महाविद्यालय में विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर महाविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वरूपानंद महाविद्यालय के दो खिलाड़ी अभिषेक निषाद और शेख फरदीन ने भाग लेते हुए अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता। महाविद्यालय के खिलाड़ियों द्वारा सात स्वर्ण पदक जीतने पर गंगाजली एजुकेशन सोसाइटी के चेयरमेन आईपी मिश्रा, श्री शंकराचार्य हुडको के डायरेक्टर डॉ दीपक शर्मा, डॉ मोनिषा शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ हंसा शुक्ला एवं क्रीड़ा अधिकारी एम एम तिवारी सहित सभी स्टाफ मौजूद रहे।

- स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय 5 गोल्ड मैडल के साथ जुडो में बना विश्वविद्यालय चैपियन।

55 स्टूडेंट ने किया ब्लड डोनेट, डोनेटर्स को मिला हेलमेट और लैपटॉप बैग

भिलाई। कल्याण कॉलेज में एनएसएस द्वारा ब्लड डोनेशन को बढ़ावा देते हुए महा रक्तदान शिविर लगाया गया। यहां ब्लड डोनेट करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप हेलमेट और लैपटॉप बैग दिया गया। हरेक स्टूडेंट को प्रेरित करते हुए प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। भिलाई के सेक्टर-7 में मौजूद कल्याण पीजी कॉलेज में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया। आए दिन आप कई ब्लड डोनेशन कैंप के बारे में सुनते ही होंगे। लेकिन कल्याण कॉलेज में लगा ब्लड डोनेशन कैंप बाकी कैंप से अलग था और बेहद खास रहा। दरअसल यहां ब्लड डोनेट करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए हेलमेट और लैपटॉप बैग दिया गया। कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिर्बान चौधरी ने बताया कि हम हर साल बच्चों को ब्लड डोनेशन के लिए प्रेरित करते हुए कैंप लगाते है। उन्होंने कहा कि इस बार ब्लड डोनेशन के साथ ही हेलमेट देना जरूरी समझा गया। प्राचार्य डॉ. विनय शर्मा ने रक्तदाताओं की प्रशंसा की। उन्होंने रक्तदान को महादान बताया। कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में कुल 55 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। इसमें सबसे खास बात यह रही कि आठ छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। जबकि 47 छात्रों सहित कुल 55 यूनिट रक्तदान किए गए।

● पॉवर हाउस, इंदिरा मार्केट, आकाशगंगा, रिसाली मार्केट में पूरे दिन पैर रखने तक नहीं रही जगह

दिवाली की धमक से बाजार गुलजार, ज्वेलरी, ऑटोमोबाइल बर्तन से लेकर साज-सज्जा की दुकानों में जमकर खरीदारी

धनतेरस पर ट्विनसिटी में शनिवार को जमकर धनवर्षा हुई। मार्केट के लगभग सेग्मेंटमेंट में खरीदारी के लिए लोग पहुंचे। सोने-चांदी और ऑटोमोबाइल सेक्टर में जमकर खरीदारी हुई। देर रात तक बाजार खुले रहे। प्रमुख बाजारों में सुपेला, आकाशगंगा, पावर हाउस, जवाहर मार्केट, सिविक सेंटर, दुर्ग में इंदिरा मार्केट, सदर बाजार, पद्मनाभपुर, सिकोलाभाठा सहित अन्य बाजारों में भीड़ उमड़ी। पटाखा दुकानों में भी लोगों ने ग्रीन पटाखे खरीदे। पॉवर हाउस व सर्कुलर मार्केट सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिली। यहां ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी खरीदारी के लिए पहुंचे। सराफा बाजार हो या इलेक्ट्रानिक्स दुकान, बर्तन दुकान या कपड़े के बड़े शोरूम, धनतेरस में अच्छा रिसपांस देखने को मिला।

दुर्ग। दुर्ग के इंदिरा मार्केट में लोगों ने पारंपरिक सामानों की खरीदी की। अनुमान है कि बाजार में 300 करोड़ से ज्यादा का कारोबारा हुआ। सराफा बाजार की बात करें तो यहां सबसे अधिक रौनक देखने को मिली। यहां 80 करोड़ से अधिक की बिक्री हुई। इसी तरह रियल एस्टेट में 40 करोड़, इलेक्ट्रॉनिक्स 50 करोड़, ऑटोमोबाइल 50 करोड़, लाइफ स्टाइल 40 करोड़, रिटेल बाजार 10 करोड़, लग्जरी आइटम और फर्नीचर 15 करोड़, मोबाइल और बर्तन बाजार में 45 करोड़ से अधिक का कारोबार रहा।

लोगों को मार्केट करने के दौरान किसी प्रकार कोई समस्या न हो इसे देखते हुए पुलिस व निगम प्रशासन ने मिलकर अलग-अलग मार्केट के पास पार्किंग की जगह निर्धारित की थी। इससे बाजार में चार पहिया वाहनों की एंट्री न होने से वहां जाम की स्थित कम देखने को मिली। इंदिरा मार्केट में फरिश्ता काम्प्लेक्स के पास से चार पहिया वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई। इसी प्रकार पुराना बस स्टैंड के पास भी ऐसी ही व्यवस्था दी गई। दोपहिया वाहन और ई-रिक्शा की एंट्री दी गई। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अगले दो दिन भीड़ को देखते हुए दो पहिया और चार पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई जाएगी। इसी प्रकार भिलाई में जवाहर मार्केट और अन्य भीड़ वाले मार्केट भी व्यवस्था की जाएगी।

धनवंतरी की पूजा, शाम के 13 दीए जलाकर फोड़े पटाखे

शनिवार को धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा की गई। मान्यता है कि स्वास्थ्य के लिए उनकी की जाती है। माता लक्ष्मी और कुबेर देव की आराधना से घर में धन और समृद्धि का वास होता है। शाम के समय दीपदान करने की परंपरा है, जिससे यम देव प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से रक्षा होती है। शाम के समय अधिकांश घरों में रंगोली पूरी गई। इसके साथ गोधुली बेला में दीए जलाकर भगवान की पूजा अर्चना की गई। इसके बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। 19 अक्टूबर को नरक चौदस और 20 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजा होगी। इसे लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियों का दौर जारी है।

हर घर इस दीपावली में स्वदेशी समान हर भारतीय खरीदे, सैल्यूट तिरंगा का संदेश

भिलाई। राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा का दुर्ग सांसद विजय बघेल के भिलाई निवास में आगमन हुआ। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने भिलाई आगमन पर उनका स्वागत किया और छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा हितेश तिवारी, मनोज ठाकरे, फौजी अरुण सावरकर, प्रशांत क्षीरसागर द्वारा स्वागत किया। इस दौरान राष्ट्रवादी संगठन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के विषय में और आगामी कार्यक्रम को लेकर विचार मंथन हुआ।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सैल्यूट तिरंगा संगठन के प्रदेश महामंत्री मनोज ठाकरे ने बताया कि पिछले 8 वर्षों से राष्ट्रवादी संगठन सैल्यूट तिरंगा भारत सहित भारत के बाहर 15 देश में सतत कार्य कर रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आठवें स्थापना दिवस को लेकर

पूरे देश के राज्यों में स्वदेशी अपनाने के लिए जनमानस को जागरुक करने भ्रमण कर रहे है।

भिलाई प्रवास पर राजेश झा ने बताया की देशहित में चलाए जा रहे हैं स्वदेशी का नारा को लेकर संगठन के माध्यम से इस दिवाली में हमारा संदेश होगा कि आप छोटे से छोटे अंतिम व्यक्ति द्वारा बनाए गए उत्पाद मिठाई, दीये और अन्य वस्तुएं स्वदेशी खरीदे। जिससे हमारा देश आत्मनिर्भर होगा और विकास भी होगा।

इस अवसर पर सांसद ने संगठन द्वारा स्वदेशी जागरण को लेकर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर हितेश तिवारी, महामंत्री मनोज ठाकरे, प्रदेश मीडिया प्रभारी आदित्य टंडन, जिला प्रचारक प्रशांत क्षीरसागर, युवा प्रदेश अध्यक्ष अरुण सावरकर फौजी, सचिन, महेश गुप्ता, प्रवीण लालवानी, जितेंद्र साहू, राजेंद्र सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस्तियों में दीवाली मनाने दीप, तेल, लाई, बताशा का किया गया वितरण

भिलाई। रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था भिलाई एवं स्व सहायता समूह बीएमवाय उरला के द्वारा दीपावली पर्व पर सेवा कार्य किया। इस अवसर पर निचली बस्ती में जाकर दीये, तेल, नारियल, कलश, केला, लाई, बताशा भेंट किया।

- महतारी गुड़ी संस्था ने किया सेवा कार्य

सभी ने बस्ती के रहवासियों को धनतेरस, गौरीगौरा, मातर, भाई दूज की शुभकामनाएं दी। रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था द्वारा त्यौहारों पर कोई भी घर अंधेरे में न हो इस उद्देश्य से पिछले दस सालों से समाज में सेवा दे रहे हैं। प्रसाद वितरण के कार्यक्रम पर साड़ी भेंट ओम प्रकाश उपाध्याय सरदा बेमेतरा के द्वारा किया गया। संस्था की सचिव संगीता शर्मा, लिगल एडवाइजर निशा साहू, संस्था संरक्षक बिन्दु ठाकुर सहित अध्यक्ष शान्ता शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की आयोजक अंजू देवांगन आस्ट्रेलिया के द्वारा विशेष सहयोग किया गया।

देवी देवताओं को स्मरण करने की अनूठी परंपरा हमारी समृद्धशाली है विरासत

छत्तीसगढ़ के मैदानी क्षेत्रों में 'सुआ' और बैगाचक में दीपावली तक होता है 'तरी ना री ना ना' की गूंज

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न प्रदेशों के लोक गीतों में लोक संस्कृति, जीवन शैलियों, कार्य-विस्तार, लोक अनुष्ठानों, पर्वों के पीछे लोक देवी देवताओं को स्मरण करने की अनूठी परंपरा हमारी समृद्धशाली विरासत है। इसे निरंतरता प्रदान करने में नारियों की विशिष्ट भूमिका है। वे अपनी मन की बातों को सीधे तौर पर न कह कर उसे किसी खास अवसर पर अभिव्यक्त करने के लिए किसी न किसी माध्यम की तलाश अवश्य कर लेती है। जन्म से लेकर मृत्यु तक के लोक गीतों की अनोखी परंपरा में यह बात स्पष्ट रुप से देखने को मिलती है। जब मैदानी क्षेत्र में कृषक समुदाय की फसले खेतों में लहलहाने लगती है। तब चराचर जगत के पशु-पक्षियां, कीड़े-मकोड़े भी अपनी भाषा में अनुगूंज करते हुए अपनी खुशियों को प्रकट करते हैं।

दल बनाकर करते है सुवा नृत्य

ऐसे में री रीना री रिहन आए, कुंजल बांस में में रे सुवा। री रीना री रिहन आए।खाए ल होही भाजी के भाटा मेरा सुवा... गीत को गाते समय महिलाएं दो दलों में बंट जाती हैं और सामने की ओर झुक कर क्रमशः आगे-पीछे होकर गीत की पंक्तियां बढ़ाती चलतीं हैं, जब पहला दल अपनी पंक्तियां ठिसकी बजाते हुए गाकर पीछे हटती है, तब सामने का दूसरा दल आगे की पंक्तियां या उसी को दोहराते हुए सामने आती है। इस तरह आगे-पीछे होकर और एक ताल से किसकी बजाते हुए रीना गीत गाया जाता है। कभी-कभी गाने और नाचने वालों की संख्या कम होती है,तब एक ही दल बन कर आंगन में आगे-पीछे होकर रीना नृत्य-गीत करतीं हैं। यह देखने-सुनने में बड़ा मनमोहक लगता है। बैगा बालाओं और नारियों का चटकदार परिधान दर्शकों के मन को सहज में आकर्षित करती है। इस 'रीना' लोक गीत में 'तोते' के झूंड को बांस के घने घेरे में होने और अपने खान-पान की बातों को अभिव्यक्त किया जाता है।

लक्ष्मी पूजा को देते है टिकावन

जनजाति शोधार्थी राम कुमार वर्मा ने बैगा बुजुर्ग व समाज प्रमुख लमतु बैगा ग्राम भुरसीपकरी जिला कबीरधाम व पद्मश्री अर्जुन सिंह धुर्वे ग्राम धुरकुटा जिला डिंडोरी से चर्चा की। उन्होंने बताया कि 'रीना' मुख्य रुप से दशहरा व दीपावली के मध्य तक गया जाता है। अंतिम 'सुरहुत्ती' यानी 'लक्ष्मी पूजा' के दिन गाने वालों का कांसे की थाली में दीपक जलाकर आरती उतार कर टिकावन भेंट स्वरुप रुपए-पैसे आदि देकर उनसे आशीष प्राप्त की जाती है। पर यह 'रीना नृत्य-गीत' कुमारी कन्याओं के वैवाहिक जीवन से भी सीधा संबंध रखता है। जब किशोरियां या विवाह योग्य हो जातीं हैं। तब कुंवारी कन्याओं को बुजुर्गों की उपस्थिति में दूसरे गांव में 'दसरहा' नाचने ले जातीं हैं। तब उस गांव के अविवाहित युवक उनके साथ रात भर करमा, रीना नाचते हैं। इसे बैगा जन 'दसरहा नाच' कहते हैं। इसमें भी रीना की पंक्तियां दोहराई जाती है। इस तरह से रीना नृत्य गीत दसरहा नाच की प्रारंभिक तैयारियां या पूर्वाभ्यास भी माना जाता है। इसीलिए बैगा जन 'रीना नाचना' भी कह देते हैं।

समाज इवेंट

संस्कृति, नीति और जीवन का शाश्वत पाठ है महाभारत, व्याख्यान में दी जानकारी

भिलाई। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग। संस्कृत विभाग द्वारा रुसा 2.0 के अंतर्गत एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में आर्य समाज के ख्याति प्राप्त वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. अजय आर्य तथा डॉ. ललित प्रधान आर्य उपस्थित रहे।

डॉ. ललित प्रधान आर्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा में व्याकरण शास्त्र विषय पर अपने व्याख्यान में व्याकरण की परंपरा, उसके विकास क्रम और विद्वानों के योगदान पर सरल व रोचक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय व्याकरण केवल भाषा की संरचना नहीं, बल्कि विचार और अभिव्यक्ति की शुद्धता का आधार है। मुख्य वक्तव्य में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि महाभारत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, नीति, धर्म और जीवन मूल्यों का शाश्वत पाठ है। यह विश्व का सबसे विशाल महाकाव्य है, जिसमें एक लाख से अधिक श्लोक हैं, और इसे पंचम वेद की उपाधि प्राप्त है। उन्होंने कहा कि महाभारत में ज्ञान, विज्ञान, संस्कृति, नीति, कर्तव्य, अध्यात्म, परिवार, मित्रता और धर्म का अद्भुत संगम मिलता है। डॉ. आर्य ने अपने वक्तव्य में महाभारत के दो प्रेरक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब दुर्योधन और उसके भाइयों को बंदी बना लिया गया, तब युधिष्ठिर ने कहा कि "यह सत्य है कि कौरव सौ हैं और पांडव पाँच, परंतु जब कोई बाहरी शक्ति हमारे विरुद्ध होती है तब हम 105 हैं। यह प्रसंग हमें यह सिखाता है कि मतभेदों को भुलाकर समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। दूसरे प्रसंग में उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के स्वाभिमान और विवेक का उल्लेख करते हुए कहा कि जब दुर्योधन ने उन्हें राजकीय भोज के लिए आमंत्रित किया, तब श्रीकृष्ण ने कहा "भोजन दो ही कारणों से किया जाता है प्रेमवश या विपत्ति में। किंतु न तो हमारे बीच प्रेम है और न मैं विपत्ति में हूँ, इसलिए मैं तुम्हारे यहाँ भोजन नहीं कर सकता।" यह प्रसंग जीवन में प्रेम, निष्ठा और आत्मसम्मान की सर्वोच्चता का प्रतीक है। डॉ. आर्य ने कहा कि महाभारत केवल युद्ध का आख्यान नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक आयाम को दिशा देने वाला ग्रंथ है। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के छात्र डागेश्वर और आभार संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जनेंद्र कुमार दीवान द्वारा किया गया।

■ रुसा 2.0 अंतर्गत संस्कृत विभाग में व्याख्यान आयोजन

धर्म लाइव

राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के कार्यकारिणी सदस्य बने ईश्वर चंद्र

■ राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज की केंद्रीय समिति की बैठक

भिलाई। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज की केंद्रीय समिति की बैठक प्रधान कार्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ भवन में रखी गई थी। बैठक में सभी राज्यों में चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इस बैठक में राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी के अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ललित मिश्रा के द्वारा भिलाई के ईश्वर चंद्र त्रिपाठी को राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया। उनके मनोनयन पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुमित शर्मा, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अभिषेक पांडे, संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, संभागीय महासचिव दीपक मिश्रा ने समाज के हित में कार्य करने पर जोर दिया। ईश्वर चंद्र त्रिपाठी के चयन पर प्रदेश सचिव राकेश कुमार शुक्ला, दुर्ग शहर अध्यक्ष हेमंत तिवारी, भिलाई अध्यक्ष लक्ष्मीकांत तिवारी, राकेश दुबे, जितेंद्र तिवारी, बृजमोहन तिवारी, नंदू शर्मा, अजय शर्मा, संजय शर्मा, संजय दुबे, अनिल शुक्ला, अविनाश तिवारी, किशोर तिवारी, अरुण पंडा, राकेश शर्मा, ऋषभ तिवारी, मुकेश तिवारी, नरेश चौरे, प्रिति अजय बेहरा, मंजरी दुबे, सुमन पांडे, शैल किरण शुक्ला, रत्ना नारमदेव, प्रीति दुबे, लीना दुबे, पिंकी झा, लता दुबे, मृदुला शुक्ला, ज्योति शर्मा, सरिता शर्मा, हनुमान शर्मा सहित अन्य सामाजिक लोगो ने बधाई दी।

सिटी इवेंट

कंगला मांझी महोत्सव 25 के लिए अगासदिया सम्मानों की हुई घोषणा

भिलाई। तीन दिवसीय कंगला मांझी महोत्सव 05 से 07 दिसंबर 25 को सम्पन्न होगा। यह तीन दिवसीय महोत्सव देश भर में चर्चित है। हीरासिंह देव उर्फ कंगला मांझी की स्मृति में आयोजित महोत्सव में छत्तीसगढ़ के चुने हुए विभिन्न क्षेत्रों के साधक सम्मानित होते हैं। सम्मान समिति की अध्यक्ष राजमाता फुलवा देवी, कुंभदेव कांगे, बी.एल.ध्रुव और बी.एल. ठाकुर तथा समारोह के संयोजक साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा दवरा सभी की सहमति से सम्मान के लिए उत्कृष्ट लोगो का चयन किया। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्रों के महापुरूषों सपूतों के नाम पर दिए जाने वाले सम्मान एवं सम्मानितों की सूची घोषित की गई। कंगला मांझी सम्मान सरगुजा के पूर्व कमिश्नर एवं बालोद क्षेत्र के गांव गुजरा में जन्में जी.आर. चुरेन्द्र को अपने जीवनकाल में सोलह हजार जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराने प्रदान किया जाएगा। बालोद जिले के देवरी गांव के कारगिल के अमर शहीद दुर्वाशा लाल निषाद सम्मान राजहरा निवासी साहित्यकार और शिक्षाविद डॉ. शिरोमणि माथुर को, दुलारसिंह मंदराजी सम्मान कलाकार लिमतरा निवासी लोकमया के अध्यक्ष महेश वर्मा को दिया जाएगा। देवदास बंजारे सम्मान कंडरका लोकधारा के अध्यक्ष राजेन्द्र साहू एवं नारायण चंद्राकर सम्मान गंगा साहू को प्रदान किया जायेगा। अगासदिया परिवार के संरक्षक रहे संत पवन दीवान की स्मृति में सम्मान उनके शिष्य स्वामी चित्रानंद को प्रदान किया जाएगा। 5 दिसंबर को मांझी सैनिक मूर्ति स्थापना समारोह तथा 6 दिसंबर को अगासदिया सम्मान समारोह आयोजित होगा।

● महिला पंथी को स्थापित करने में स्व. अमृता का योगदान अतुलनीय : कोर्सेवाड़ा

विपरीत परिस्थितियों में स्व.अमृता की महिला पंथी की शुरुआत हरिकीर्तन कर पंथी ने जमाया रंग, 50 वादकों ने की जुगलबन्दी

भिलाई। भिलाई। पुरखा के सुरता जन कल्याण समिति की ओर से 70 के दशक की ख्याति प्राप्त महिला पंथी कलाकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिनीमाता सम्मान प्राप्त अमृता बारले की द्वितीय पुण्यतिथि पर राज्य स्तरीय सांस्कृतिक एवं सम्मान समारोह ग्राम मोरिद भिलाई तीन में आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रम की शुरूआत हरिकीर्तन से हुई। जिसमें विभिन्न स्थानों से आए दलों ने पंथी नृत्य कर रंग जमाया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय मांदर वादक गौकरण दास बघेल के नेतृत्व में 50 मांदर वादकों का एक साथ जुगलबन्दी की अनूठी प्रस्तुति दी। वहीं ख्याति प्राप्त लोक गायक तुषान्त बारले ने अपने समूह के साथ रंगारंग प्रस्तुति दी।

अतिथियों ने पंथी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को मुखरता प्रदान करने वाली स्व. अमृता बारले के योगदान का स्मरण किया और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक राजमहंत डोमन लाल कोर्सेवाडा और दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित सभी अतिथियों ने शुरुआत में गुरु बाबा घासीदास की आराधना के बाद स्व. अमृता बारले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। अतिथियों का स्वागत करते हुए संयोजक पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि उनकी बहन स्व. अमृता बारले ने विपरीत परिस्थितियों में महिला पंथी की शुरुआत की और जीवन भर पंथी के प्रति समर्पित रही। अहिवारा विधायक राजमहंत डोमलाल कोर्सेवाड़ा ने स्व. अमृता बारले के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सतनामी समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए महिला पंथी को स्थापित करने में उनका योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि स्व. अमृता बारले छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की मिसाल थीं और महिला पंथी कलाकार के तौर पर हमेशा याद की जाती रहेंगी।

अमृता बारले सम्मान सरोज, प्रियंका और हिमानी को

कार्यक्रम में सरोज बाला पाहित भिलाई व प्रियंका जांगड़े बालिका पंथी दल कोडेवा जिला बालोद को महिला पंथी नृत्य को बढ़ावा देने और भरथरी गायन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हिमानी वासनिक को अमृता बारले स्मृति सम्मान प्रदान गया। इनके अलावा प्रदेश के वरिष्ठ 25 पंथी कलाकारों को पंथी शिखर सम्मान राज्य के 12 जिले के जूनियर 35 कलाकारों को पंथी कला रत्न सम्मान, 3 उत्कृष्ट महिला कलाकारों को नारी शक्ति सम्मान और 7 विशिष्ट व्यक्तियों को ग्राम गौरव सम्मान प्रदान किया गया। इनके साथ प्रदेश के 15 ख्याति प्राप्त लोक गायक ,गायिकाओ को छत्तीसगढ़ भुइय्या सम्मान प्रदान किया गया। इनमें कविता वासनिक, छाया चन्द्राकर, हिरेश सिन्हा , जितेश्वरी सिन्हा , चम्पा निषाद ,छालीवुड कलाकार उर्वशी साहू , उपासना वैष्णव रायपुर, तारा कुलकर्णी पचेड़ा , चंद्रिका मोरिया बालोद , विनीता सन्तोष ढीमर, पुष्पा शंकर साहू, तुषान्त बारले, पायल साहू और खुमेश मानिकपुरी को भी सम्मानित किया गया।

वैचारिक सत्र में हुई महिला पंथी पर बात : आयोजन के वैचारिक सत्र में "महिला पंथी नृत्य में अमृता बारले का योगदान" विषय पर प्रमुख वक्ता भरत लाल कुर्रे ने अपने विचार रखे। वहीं "महिला पंथी नृत्य का महिला सशक्तिकरण पर प्रभाव" विषय पर भूपेंद्र चाणक्य तवेरा बालोद ने अपना वक्तव्य दिया।

इनकी भी उपस्थिति रही : आयोजन में वीरेंद्र टण्डन, सहदेव बंजारे, अश्विन डहरिया, कल्याणी बारले, राजेन्द्र टण्डन, भोज बंजारे, शैल बघेल, रोहित कोसरिया, भोजराज बारले, परमेश्वर नाग, पुष्पा साहू, चम्पा निषाद, लक्ष्मी कांत जडेजा, दिनेश जांगड़े, गौकरन दास बघेल, जोहन लाल कोठारी, खेमचंद भारती, तारन कोसरे, उदय कोसरे, भूपेंद्र चाणक्य, सीडी बघेल, जोगांश चेलक, सतानंद बंजारे, एल एल बारले, कृष्ण कुमार वर्मा, ममता सिन्हा, पार्षद सतीश साहू, राधेश्याम वर्मा, तुलसी ध्रुव पार्षद डबरापारा, प्रद्युम्न धृतलहरे,रामप्रसाद मिर्चे और मनोज पाटिल सहित बड़ी संख्या में पंथी कलाकार, साहित्यकार, समाज सेवी और ग्रामीण जन उपस्थित थे।

हरिकीर्तन से शुरुआत, पंथी ने जमाया रंग, तुषांत को मिली सराहना

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरूआत प्रदेश के ख्याति प्राप्त हरिकीर्तन कर पं कामता प्रसाद शरण कुडेरादादर, छुरा गरियाबंद के हरिकीर्तन से हुई। इसके उपरांत महिला पंथी दल माता सफुरा महिला पंथी दल नेवई का पंथी नृत्य, लक्ष्मीकांत जडेजा भटगांव जिला मुंगेली, मांदरी नृत्य गढ़िया बाबा आदिवासी मांदरी नृत्य सरईटोला नगरी, भरथरी हिमानी वासनिक राजनादगांव, महिला पंथी सत्संग महिला पंथी नृत्य दल खुर्सीपार भिलाई, भरथरी कल्याणी बारले आशीष नगर रिसाली सुवा नृत्य सुवा सखी सहेली नेवई, गेड़ी नृत्य, आदिवासी गेड़ीनृत्य गुन्ड़पारा सिहावा, पारम्परिक पुरुष पंथी अश्वन डहरिया,सहदेव बंजारे, बिरेंद्र टन्डन, जोगांश चेलक, सतानंद बंजारे व शैलेन्द्र धृतलहरे द्वारा पंथी नृत्य प्रस्तुत किया गया।

आयोजन...

वृद्धाश्रम के 25 बुजुर्गों का किया सम्मान अपनापन एवं सम्मान पाकर हुए अभिभूत

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के तत्वावधान में चलाए जा रहे घर-घर बांटें रोशनी और फैलाएं खुशियां अभियान का आगाज शुक्रवार को रामशिला की कुटिया वृद्धाश्रम जुनवानी में बुजुर्गों के संग दीवाली मनाकर किया गया। खुशियों के पल बुजुर्गो के संग कार्यक्रम में 25 बुजुर्गो का सम्मान किया गया। बुजुर्गो ने जहां अपने मन की बातें शेयर की वहीं अपना सम्मान पाकर वे अभिभूत हो उठे।

महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन की अगुवाई में पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने वृद्धाश्रम के सभी बुजुर्गो का टीका लगाकर एवं अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान किया तथा फल एवं मिठाई वितरित किए। उन्होंने कहा कि बुजुर्गो को सिर्फ अपनापन, प्यार एवं सम्मान की जरूरत होती है, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने बताया कि महासंघ के सदस्यों के द्वारा धनतेरस से भाई दूज तक अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, झुग्गी बस्तियों एवं चौक चौराहों के भिखारियों को फल, मिठाई, कपड़े, दीये , बच्चों को हल्के पटाखे बांटने का कार्य जारी रहेगा, ताकि उनकी दीवाली भी रोशन और खुशीयों से भरा रहे। महासंघ के पदाधिकारियों ने बुजुर्गो के साथ आत्मीयता पूर्वक समय बिताया और खुशियां बांटी। वृद्धाश्रम के संचालक अजय कल्याणी ने बताया कि वृद्धाश्रम के साथ ही नशा मुक्ति केंद्र का भी संचालन उनकी संस्था द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बुजुर्गो की सुध लेकर दीवाली की खुशियां बांटने के लिए भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में दिनेश कुमार गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, दिनेश कुमार मिश्रा, शिवप्रसाद साहू, माखनलाल टंडन, शील कुमार राघव, जगदीश राम साहू, धनीराम साहू, ओमप्रकाश साहू आदि सहित वृद्धाश्रम के संचालक अजय कल्याणी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

जागरुकता सप्ताह का आयोजन

नर्सिंग कॉलेज में राष्ट्रीय सीपीआर जागरूकता सप्ताह का आयोजन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ नर्सिंग कॉलेज धनोरा में राष्ट्रीय कॉर्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन सीपीआर जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भारतीय नर्सिंग परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। सप्ताहभर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन जैसी जीवनरक्षक तकनीक से परिचित कराना और आपातकालीन स्थिति में इसकी महत्ता को समझाना था। इंटरएक्टिव सत्रों और व्यावहारिक प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों ने सीपीआर करने में आत्मविश्वास प्राप्त किया।

कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा

यह आयोजन छत्तीसगढ़ नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य प्रिंस वर्गीस के मार्गदर्शन में नर्सिंग स्टाफ के सक्रिय सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतिभागियों ने बताया कि यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, जिसने उनके भीतर सेवा और जीवन बचाने की भावना को और मजबूत किया।

स्व सहायता समूह के सदस्यों ने रजत महोत्सव स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश

लोकल फॉर वोकल बिहान हाट में हुई स्वदेशी उत्पादों की बिक्री, 53 स्व सहायता समूह ने बेचा कैंडल, दीया, धूपबत्ती और आचार मसाले

कार्नर न्यूज

भिलाई। स्व सहायता समूह के सदस्यों ने रजत महोत्सव के अंतर्गत बिहान हाट, चिन्हारी दुवारी मेला का आयोजन किया गया। 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित मेला में समूह के उत्पादों की बिक्री की गई। इस दौरान स्व सहायता समूह की महिलाओं ने ऑनलाइन शॉपिंग बंद कर खुद के द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने डेकोरेटेड दीये, आचार, पापड़, बिजौरी, साबुन, कैंडल मिलेट्स आदि सामग्रियों को उचित दामों में बेचा। जिसे खरीदने लोगो में उत्साह भी दिखाई दिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग और जिला पंचायत सभापति और सदस्यों के द्वारा किया गया। जिसमें 53 स्व सहायता समूह द्वारा अपने उत्पादों की बिक्री एवं सह प्रदर्शन लोकल फॉर वोकल के तर्ज पर बने स्वदेशी उत्पादों की बिक्री की गई। जिला पंचायत और जनपद पंचायत के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा दीपावली की खरीदारी मेले में की गई।

4.35 लाख रु की हुई बिक्री : मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग के मार्गदर्शन में स्व सहायता समूह के द्वारा निर्मित सामग्री साबुन, कैंडल, दीया, अगरबत्ती, धूपबत्ती, मसाले, मोमबत्ती, मिलेट्स आदि सामग्रियों की खरीदारी की गई। दीपावली के अवसर पर लगभग 1.75 लाख की सामग्री सीधे स्वयं सहायता समूह से ली गई और तीन दिवसीय मेले में 2.60 लाख और बिक्री 4.35 लाख रुपये की हुई।

सिटी स्पोर्ट्स

अस्मिता कयाकिंग एंड केनोइंग लीग का राजधानी में भव्य समापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग एंड केनोइंग एसोसिएशन द्वारा एवं भारतीय खेल प्राधिकरण भारत सरकार की पहल अनुरूप दो दिवसीय अस्मिता नौकायन महिला प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी विवेकानंद सरोवर (बूढ़ा तालाब) में किया गया। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण में अतिथि के रूप में मुरली शर्मा, अध्यक्ष जोन क्रमांक 4, हितेश दीवान प्राचार्य जे आर. दानी कन्या शाला, नीता डुमरे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी, प्रदीप टंडन अध्यक्ष जिंदल ग्रुप ऑफ़ इंडस्ट्रीज़, सपना दिवेदी, प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव कायाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन, अमरजीत छाबड़ा सहसचिव उपस्थिति थे। उक्त आयोजन में सुमीत तिवारी, अखिलेश दुबे, अशोक दुबे, पिंकी साहू, अशोक साहू, राकेश सिंह ठाकुर, तामेश्वर और खिलेश्वर चंद्राकर का योगदान रहा। प्रतियोगिता में के-1 200 मीटर महिला में प्रथम रमा सोनकर, द्वितीय शालू प्रधान और तृतीय सोनम पुजारी, सी1 200 मीटर महिला प्रथम नीतू सोनवणे, द्वितीय मानमति बघेल और गायत्री निर्मलकर, के-1 जूनियर बालिका 200 मीटर में प्रथम सोनम पुजारी, द्वितीय तन्नू साहू और तृतीय सुनीता साहू, सी-1 200 मीटर जूनियर बालिका में प्रथम कशिश निर्मलकर, द्वितीय रंजना निर्मलकर और तृतीय रोशनी, के-1 सब जूनियर बालिका में प्रथम विशाखा निर्मलकर, द्वितीय ईशा और तृतीय मालती, सी 1 200 मीटर सब जूनियर बालिका में प्रथम कशिश निर्मलकर, द्वितीय रंजना निर्मलकर और तृतीय गायत्री निर्मलकर, के2 महिला 200 मीटर में प्रथम खुशबू निर्मलकर-सोनम पुजारी, द्वितीय रमा सोनकर-तन्नू साहू और तृतीय संबति-प्रतिमा, सी2 200 मीटर में प्रथम नीतू सोनवणे-रंजना, द्वितीय मानबती- कशिश निर्मलकर और तृतीय गायत्री निर्मलकर-रोशनी रहे। इसके पहले प्रतियोगिता के प्रथम दिवस कई रोमांचक प्रदर्शन हुए। इनमें प्रथम दिवस पर के परिणाम में के-1 महिला 1000 मी में स्वर्ण स्वाति साहू, रजत शालू प्रधान और कांस्य सोनम पुजारी, सी 1 महिला 1000 मीटर में मनमती बघेल, द्वितीय नीतू और तृतीय रंजना निर्मलकर, जेडब्ल्यूके 1 के 1000 मीटर महिला में प्रथम सोनम पुजारी, द्वितीय मुस्कान और तृतीय कंचन,500 मीटर के1 जेएन डब्ल्यू में प्रथम सोनम पुजारी, द्वितीय मुस्कान और तृतीय गंगा साहू, 500 मीटर जेएन सी1 महिला में प्रथम कशिश निर्मलकर, द्वितीय रंजना निर्मलकर और तृतीय रोशनी, 500 मीटर सब जूनियर गर्ल्स सी1 में प्रथम गायत्री निर्मलकर, द्वितीय मानवी साहू और तृतीय प्यारे साहू, 500 मीटर सब जूनियर बालिका वर्ग के 1 में विशाखा निर्मलकर, द्वितीय ईशा और तृतीय मालती, 500 मीटर के1 महिला में प्रथम स्वाति साहू, द्वितीय रमा सोनकर और तृतीय शालू प्रधान, 500 मीटर सी 1 महिला में प्रथम नीतू सोनावने, द्वितीय मनमती बघेल और तृतीय रंजना निर्मलकर, के2 500 मीटर महिला में प्रथम स्वाति साहू व तन्नु साहू, द्वितीय रामा व शालू प्रधान और सोनम पुजारी व खुशबू निर्मलकर शामिल हैं।

एशियन यूथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे छत्तीसगढ़ के युवराज

रायपुर। बहरीन (यूएई) में आयोजित होने वाले 21 विभिन्न खेलो में म्यूथाई को भी शामिल किया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (आईओसी) से मान्यता प्राप्त संस्था इफ्मा एवं ओलंपिक कॉउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) से मान्यता प्राप्त संस्था एफएएमए की भारत मे मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया (यूएमएआई) के तत्वावधान में भारतीय म्यू थाई दल हिस्सा लेगा। एशियन यूथ गेम्स बहरीन में भाग लेने वाले भारतीय म्यूथाई दल के लिए इण्डिया कैम्प का आयोजन जयपुर (राजस्थान) में 04 से 20 अक्टूबर तक किया जा रहा है। जिसमे भारत के विभिन्न प्रदेशों के केवल अंडर-17 वर्ष वर्ग के प्रतिभाशाली 09 बालक एवँ 09 बालिका खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया था। राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि दूरस्थ बस्तर अंचल से गत 9 वर्षों से म्यू थाई राष्ट्रीय चैंपियन एवं चार बार के अंतर्राष्ट्रीय म्यूथाई पदक विजेता खिलाड़ी जगदलपुर निवासी 17 वर्षीय युवराज सिंह राजपूत इण्डिया कैम्प में भारतीय दल में चयनित हुए हैं और भारत व छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि एशियन यूथ गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ राज्य से युवराज एकमात्र चयनित खिलाड़ी है। भारतीय म्यू थाई फेडरेशन के महासचिव श्रीराम चौधरी (म्यूथाई कोच) के नेतृत्व में 21 अक्टूबर को बहरीन रवाना होंगे। भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों का व्यय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

स्ट्रोक का खतरा वैश्विक स्तर पर बढ़ता जा रहा, सावधानी ही उपाय

माइग्रेन रोगियों में बढ़ जाता है स्ट्रोक का खतरा इन स्वास्थ्य समस्या वाले युवा भी रहें सावधान

कुछ दशकों पहले तक इसे उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या के तौर पर जाना जाता था, हालांकि अब युवा आबादी भी इसकी शिकार होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के मुताबिक हर साल डेढ़ करोड़ से अधिक लोग स्ट्रोक के शिकार हो रहे हैं और करीब 50 लाख लोगों की मौत हो जाती है। आंकड़ों के मुताबिक 45 वर्ष से कम उम्र के लगभग 70,000 अमेरिकियों को स्ट्रोक होता है। लगभग 10 से 15 प्रतिशत वयस्कों में समय के साथ ये जोखिम बढ़ रहा है।

स्ट्रोक के बढ़ते जोखिमों की रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्ट्रोक के शिकार लोगों को बेहतर देखभाल सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से हर साल 29 अक्तूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है। स्ट्रोक को लेकर बड़ा सवाल ये है कि युवा इसके शिकार क्यों हो रहे हैं और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

दो प्रकार के स्ट्रोक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, स्ट्रोक दो प्रकार के होते हैं: इस्केमिक और हेमोरेजिक। सबसे अधिक मामले इस्केमिक स्ट्रोक के रिपोर्ट किए जाते हैं जो मस्तिष्क तक जाने वाली धमनी में

रक्त के थक्कों के निर्माण के परिणामस्वरूप होती है। वहीं हेमोरेजिक स्ट्रोक, तब होता है जब मस्तिष्क में या उसके पास रक्त वाहिका फट जाती है। हमारे जीवनशैली की कई गड़बड़ आदतों के कारण रक्त वाहिकाएं अवरुद्ध हो सकती हैं, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

युवाओं में स्ट्रोक के कारण

युवा वयस्कों में स्ट्रोक के बढ़ते खतरे के लिए जिन जोखिम कारकों को प्रमुख माना जा रहा है उनमें गड़बड़ लाइफस्टाइल, धूम्रपान-शराब का सेवन, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है। जिन लोगों के परिवार में किसी को स्ट्रोक हो चुका है उनमें भी इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कुछ प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं जैसे माइग्रेन और हार्ट की बीमारी वाले लोगों में भी स्ट्रोक होने का खतरा अधिक हो सकता है।

माइग्रेन रोगियों को बरतनी चाहिए सावधानी

अध्ययनकर्ता कहते हैं, यह प्रमाणित नहीं होता है कि माइग्रेन की समस्या सीधे तौर पर स्ट्रोक का कारण बनती

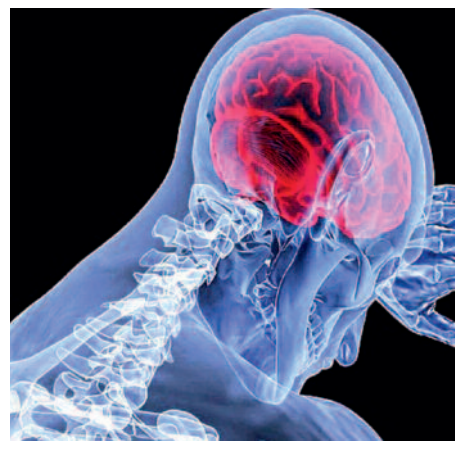

है, हालांकि अगर आपको माइग्रेन है तो आपको स्ट्रोक का खतरा थोड़ा अधिक हो सकता है। स्ट्रोक और माइग्रेन दोनों मस्तिष्क की ही समस्याएं हैं और कभी-कभी माइग्रेन के लक्षण स्ट्रोक की तरह ही हो सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति जो धूम्रपान भी करते हैं उन्हें स्ट्रोक का जोखिम अधिक होता है।

हार्ट की समस्या है तो भी रहें अलर्ट

जिन लोगों को हृदय की समस्या है या जिनको जन्मजात ये परेशानी रहती है, उनमें भी स्ट्रोक होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है। रक्त के थक्के हृदय और मस्तिष्क दोनों रक्त वाहिकाओं के लिए समस्या बढ़ाने वाले हो सकते हैं और इससे हार्ट अटैक का भी खतरा रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों को हार्ट की समस्या रही है उन्हें स्ट्रोक को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

जीवन में सुख-समृद्धि लाते हैं वास्तु के आसान उपाय

अक्सर वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर का निर्माण कराया जाता है। साथ ही घर की सभी चीजों को वास्तु के आधार पर ही रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि यदि वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार कार्य ना किए जाएं तो घर में कलेश व आर्थिक तंगी बनी रहती हैं। हमारे आसपास रखी चीजें हमारे जीवन पर प्रभाव डालती हैं। वास्तु का सीधा संपर्क हमारे जीवन से जुड़ा होता है। कई बार हम कुछ ऐसे सामान की खरीदारी कर लेते हैं, जिन्हें वास्तु शास्त्र में अशुभ माना गया है। कई बार ये चीजें हमारी तरक्की के मार्ग में नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर में रखी सभी चीजों को वास्तु के अनुसार रखा जाएं। ऐसा करने से तरक्की के नए मार्ग खुल सकते हैं। क्योंकि ऐसा माना जाता है वास्तु के नियमों का पालन करने से तरक्की के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि वास्तु के किन उपायों के करने से तरक्की के मार्ग खुल जाते हैं।

तुलसी का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में पेड़-पौधों को लगाना शुभ

माना गया है। हालांकि, इनमें तुलसी का अहम स्थान है। दरअसल वास्तु के मुताबिक हर घर में तुलसी का पेड़ होना बेहद जरूरी हैं। कहा जाता है कि जिन घरों में तुलसी का पौधा होता है, वहां पर खुशहाली रहती हैं।

घी का दीपक

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सभी को अपने घर या दुकान के पूजा स्थल पर रोजाना घी का दीपक जलाना चाहिए। इसके अलावा शाम की पूजा के दौरान कपूर जलाकर आरती करनी चाहिए। ऐसा करने से उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती हैं।

इस जगह पर न रखें झाड़ू

धार्मिक मान्यता है कि, कभी भी घर के मुख्य द्वार पर झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। इससे मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं। वास्तु शास्त्र में भी इस बात का जिक्र हैं कि, मुख्य द्वार या उसके आस-पास झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। इससे घर में कलेश बढ़ता है। साथ ही घर में सुख-शांति नहीं आती है।

जूठे बर्तन छोड़ना

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इंसान को कभी भी रात के जूठे बर्तन रसोईघर में नहीं छोड़ने चाहिए। ऐसा करने से घर में कंगाली आती है। ऐसी मान्यता भी हैं कि, रात के जूठे बर्तन को छोड़ने से पूर्वज नाराज हो जाते हैं और घर का सुख चैन समाप्त हो जाता है।

यहां कभी न उतारे जूते-चप्पल

आमतौर पर कुछ लोग अपने बेडरूम में चप्पल ले जाते हैं। हालांकि, ऐसा करना गलत है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जूते-चप्पल हमेशा घर के बाहर निकालने चाहिए। साथ ही एक निश्चित स्थान पर उन्हें सही से रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

माइक्रोवेव में बना सकते हैं इंस्टेंट मग पास्ता, फॉलो करें ये आसान सी टिप्स

आपने भी यकीनन माइक्रोवेव का इस्तेमाल कई तरह से किया होगा, लेकिन क्या कभी पास्ता बनाने के लिए किया है? अगर नहीं, तो एक बार करके देखिए। ऐसा करने से न सिर्फ आपका टाइम बचेगा, बल्कि मजा भी आएगा। तो देर किस बात की आइए विस्तार से जानते हैं माइक्रोवेव में पास्ता बनाने के टिप्स-

सही मग इस्तेमाल करें

पास्ता के लिए जरूरी है सही मग का होना। अगर आपका मग ही सही नहीं होगा, तो आपको दिक्कत हो जाएगी। पास्ता सही ढंग से नहीं बनेगा और कहीं से कच्चा तो कहीं से पका हुआ रहेगा। इसलिए मग हमेशा ऐसा सेलेक्ट करें, जिसमें पास्ता अच्छी क्वांटिटी में आ जाए और ऊपर से जगह भी बच जाए।

इसके लिए आप इंस्टेंट मग पास्ता के लिए एक बड़े और माइक्रोवेव-सेफ मग का इस्तेमाल करें, ताकि पास्ता को पकाने के दौरान उबालते समय पानी बाहर ना निकले। यह ध्यान रखें कि मग इतना बड़ा हो कि पास्ता और बाकी सामग्री अच्छी तरह से उसमें आ जाए।

पास्ता कासही मात्रा का रखें ध्यान

मग में पास्ता डालते समय उसकी मात्रा का ध्यान रखें। आमतौर पर आधा कप पास्ता पर्याप्त होता है। साथ ही, पास्ता को पकाने के लिए लगभग एक कप पानी डालें। इससे पास्ता अच्छी तरह पक जाएगा और मग में ज्यादा जगह भी बचेगी।

अगर आप पानी और पास्ता का सही इस्तेमाल नहीं करेंगे, तो पास्ता कच्चा रह सकता है। इसलिए जरूरत से ज्यादा पास्ता और जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें, दोनों की मात्रा का ध्यान रखें।

पास्ता को पूरी तरह से पकाएं

अगर पास्ता पूरी तरह से नहीं पकता है, तो थोड़ा और पानी डालें और एक या दो मिनट के लिए और पकाएं। हर बार पकाने के बाद इसे चेक करें और देख लें कि पास्ता नर्म हो गया है या नहीं। इसके लिए आप चम्मच का इस्तेमाल करें, जिसमें थोड़ा-सा निकालकर देखें।अगर आप पास्ता पक गया है, तो इसमें 1/4 कप दूध और 1/4 कप कसा हुआ चीज डालें। यह पास्ता को क्रीमी बनाएगा और इसका स्वाद बढ़ाएगा। यकीन आपका पास्ता बहुत ही अच्छा बनेगा।

छोटा पास्ता इस्तेमाल करें

मग में पास्ता बनाने के लिए छोटा साइज वालापास्ताका इस्तेमाल करें। जब पास्ता बनेगा तो वो फूलेगा, अगर पास्ता बढ़ा होगा तो मग में सही तरह से बन नहीं पाएगा। साथ ही, छोटे पास्ता के इस्तेमाल से न केवल पकाने का समय कम होगा।

धनतेरस के बाद नरक चतुर्दशी के दिन ग्रह दोष से छुटकारा पाने उठाएं जरूरी कदम

धनतेरस के बाद छोटी दिवाली को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है। इस दिन क्या करें और क्या न करें। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। नरक चतुर्दशी के दिन विशेष रूप से भगवान शिव, श्रीकृष्ण, पवनपुत्र हनुमान, माता काली और यमराज की पूजा करने का विधान है। अब ऐसे में इस दिन कुछ ऐसे काम हैं, जिन्हें करने से शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है और कुछ ऐसे काम भी जिन्हें करने की मनाही है। अब ऐसे में नरक चतुर्दशी के दिन क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित विजयकांत भट्ट से विस्तार से जानते हैं।

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह सूर्योदय से पहले स्नान करें और माथे पर चंदन का तिलक जरूर लगाएं। नरक चतुर्दशी के दिन यम के नाम की दीपक जरूर जलाएं। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन यम की पूजा करने से अकाल मृत्यु से छुटकारा मिल जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन पूरे शरीर पर सरसो तेल से मालिश करना चाहिए और फिर ठंडे पानी से स्नान करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि चतुर्दशी के दिन माता लक्ष्मी का वास होता है और इससे उनकी कृपा बनी रहती है।

नरक चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा विशेष रूप से करनी चाहिए। इस दिन उनकी सेवा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और उत्तम परिणाम मिलते हैं। नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीए जलाने की मान्यता है। साथ ही इसे अलग-अलग स्थान पर रख दें। नरक चतुर्दशी के दिन माता काली की पूजा भी जरूर करें। इनकी पूजा करने से सभी भय से छुटकारा मिल सकता है।

नरक चतुर्दशी के दिन क्या नहीं करना चाहिए?

नरक चतुर्दशी के दिन यम देवता की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इसलिए इस दिन किसी भी जीव को न मारें और न ही परेशान करें। नरक चतुर्दशी के दिन घर की दक्षिण दिशा को गंदा नहीं रखना चाहिए। नरक चतुर्दशी के दिन किसी भी व्यक्ति को दान करने से बचें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। नरक चतुर्दशी के दिन मांस और मदिरा का सेवन भी नहीं करना चाहिए।

कार्नर न्यूज

दीपावली में बच्चों को उपहार देने आज बाजार में ढेरों विकल्प मौजूद

दीपावली पर इस बार अपने बच्चों को नए कपड़े ही नहीं, दूसरे शानदार उपहार भी दें

नवरात्रि के बाद अब घरों में दीपावली की तैयारियां चल रही है। ज्यादातर घरों में अक्सर यह दुविधा होती है कि नए कपड़े बनाने के साथ बच्चों को गिफ्ट में क्या दिया जाए। वैसे तो दीपावली का मौका नए कपड़ों, मिठाई और पटाखों के लिए होता है लेकिन अब बच्चों को उपहार भी इस मौके पर मिल जाए तो क्या बात हो। दीपावली पर उपहार ऐसे होने चाहिए जिन्हें देखने के बाद बच्चे उत्साहित हो जाएं। कोशिश करें कि उपहार देते वक्त उनकी जरूरत और पसंद दोनों का ख्याल रखा जाए, इससे उन्हें भी खुशी होगी।

बोर्ड गेम्स

बच्चों को आप बोर्ड गेम्स गिफ्ट कर सकते हैं, यह उनकी मानसिक विकास के लिए उपयुक्त है। आजकल बच्चों का गेम में काफी इंटरेस्ट होता है। इसके जरिए उन्हें पढ़ाई से जुड़ाव महसूस होगा। यही नहीं बोर्ड गेम्स के अलावा पजल या कैरम गिफ्ट कर सकती हैं, जिसके जरिए वह खुद को एंटरटेन भी कर सकेंगी। दरअसल समय के साथ बच्चे आउटडोर गेम से ज्यादा खुद को इंडोर गेम में व्यस्त रख रहे हैं। ऐसे में बच्चों को यह काफी पसंद आएगा और

गिफ्ट में कुछ अलग देखकर उन्हें खुशी भी होगी।

रेड ड्रेस करें गिफ्ट

आप बच्चों की पसंद का उन्हें रेड एथनिक या फिर वेस्टर्न ड्रेस गिफ्ट कर सकती हैं। नए कपड़े बच्चों को काफी पसंद होते है। आप चाहें तो सभी बच्चों को एक तरह की ड्रेस दें सकती हैं। दरअसल, लाल वृद्धि का प्रतीक माना जाता है, इसलिए बच्चों को लाल रंग का वस्त्र या फिर अन्य चीजें गिफ्ट की जाती है।

आर्टिफिशियल ज्वेलरी

बेटियों को कपड़ों के बाद ज्वेलरी काफी पसंद होती है। हालांकि, कुछ लोग गोल्ड और सिल्वर ज्वेलरी गिफ्ट करते हैं, लेकिन अगर आपका बजट कम है तो आर्टिफिशियल ज्वेलरी गिफ्ट करें। बेटियों को सजना संवरना काफी पसंद है, ऐसे में वह इस तरह के गिफ्ट को देखने के बाद खुश हो जाएंगी। हेयर बैंड, नेकलेस,ईयररिंग्स,बैंगल जैसी कई चीजें,जो आप बेटियों को गिफ्ट में दें सकती है।

स्टेशनरी की चीजें

बच्चों को आप स्टेशनरी की चीजें गिफ्ट कर

सकती हैं। यह उनकी जरूरत की चीजें हैं, जिसे वह बाद में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। पेंटिंग बुक, पेंसिल बॉक्स, नोटबुक, पेन और पेंसिल का सेट आदि उन्हें गिफ्ट कर दें। बच्चों की उम्र के अनुसार आप उन्हें स्टेशनरी के समान गिफ्ट करें।

मिनी होम करें गिफ्ट

बच्चों को घर-घर खेलना काफी पसंद होता है, ऐसे में उन्हें मिनी होम गिफ्ट कर सकते हैं। वहीं इसके साथ किचन या गेम सेट भी दिया जा सकता है। बच्चों के यह पसंदीदा खिलौने होते हैं, जिसकी डिमांड वो अक्सर करती रहते हैं। आप चाहें तो बच्चों के लिए ऑप्शन रख सकती हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कार हादसे में बाल-बाल बचे एलेक बाल्डविन फैंस को बताई हादसे की पूरी कहानी

लॉस एंजेलिस में मशहूर हॉलीवुड एक्टर एलेक बाल्डविन और उनके भाई स्टीफन बाल्डविन एक सड़क हादसे का शिकार हो गए। घटना के कुछ घंटे बाद ही एलेक ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैन्स को अपनी हालत के बारे में बताया और कहा कि वह पूरी तरह सुरक्षित हैं।

एलेक बाल्डविन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब वह अपने भाई स्टीफन के साथ हैम्पटन में थे। एलेक ने अपनी पत्नी हिलारिया बाल्डविन की सफेद रंग की रेंज रोवर चला रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक बड़े कचरा ट्रक ने अचानक उनका रास्ता काट लिया। ट्रक से बचने के लिए उन्होंने कार को मोड़ा, लेकिन गाड़ी पास के पेड़ से टकरा गई। एलेक ने मजाकिया लहजे में कहा, 'मैंने अपनी पत्नी की कार तोड़ दी, इस बात का अफसोस है, लेकिन सब ठीक है।' उन्होंने आगे कहा कि उनका भाई भी सही सलामत है और उन्हें कोई चोट नहीं आई। वीडियो में एलेक ने पूरे हादसे को बेहद दिलचस्प अंदाज में बताया। उन्होंने कहा, 'वो ट्रक इतना बड़ा था कि जैसे कोई व्हेल सड़क पर चल रही हो। मैंने ट्रक को टक्कर से बचाने के लिए मोड़ लिया, लेकिन सामने जो बड़ा पेड़ था, उसी से टकरा गया।' उनकी बातों से साफ था कि उन्होंने हादसे को गंभीरता से लेने के बजाय हल्के-फुल्के अंदाज में पेश किया ताकि फैन्स चिंतित न हों। उन्होंने बताया कि यह घटना हैम्पटन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वीकेंड बिताने के बाद वापसी के दौरान हुई। एलेक बाल्डविन ने कहा कि वह अब लॉस एंजेलिस लौट रहे हैं और अपनी पत्नी पर बेहद गर्व महसूस करते हैं।

टॉलीवुड

'टॉक्सिक' के सेट से लीक हुआ फुटेज दिखा साउथ स्टार यश का जलवा

साउथ स्टार यश की आगामी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' के सेट से एक फुटेज सोशल मीडिया पर लीक हुआ है। इस वीडियो में यश का जलवा देखकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। साउथ एक्टर यश इन दिनों अपनी दो फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। एक्शन फिल्म 'टॉक्सिक' और महाकाव्य 'रामायण'। आज यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के सेट से उनका एक शानदार वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हुआ है, जिसमें उनका अंदाज देखकर फैंस फिदा हो गए हैं। साउथ एक्टर यश का एक शानदार वीडियो एक्स पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह धूम्रपान करते नजर आ रहे हैं। 19 मार्च 2026 को 'टॉक्सिक' की रिलीज से पहले यश का यह वीडियो ऑनलाइन लीक हुआ है। इस लीक वीडियो से फिल्म की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यश एक बालकनी पर सिगरेट पीते दिख रहे हैं। यश नीली जींस और बिना शर्ट और अपनी दाढ़ी वाले लुक में नजर आ रहे हैं। प्रशंसकों ने इस वीडियो पर 'सुनामी गारंटी' जैसे कमेंट्स और लाल दिल वाला और फायर इमोजी शेयर किए है। ज्यादातर फैंस ने इमोजी के साथ उत्साह दिखाया। फिल्म 'टॉक्सिक' एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा है। 'टॉक्सिक' को गीतू मोहनदास और यश ने मिलकर लिखा है। इस फिल्म को गीतू मोहनदास ने निर्देशित किया है। गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित यह कहानी ड्रग माफिया की दुनिया, शक्ति, प्रेम और विश्वासघात के इर्द-गिर्द घूमती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे सितारे प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

भोजपुरी

आम्रपाली की 'साइकिल वाली दीदी' रिलीज, मजेदार अंदाज में है दर्शकों के लिए नई कहानी

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे की फिल्म 'टीवी वाली बीवी' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस्तियाक शैख बंटी के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में आम्रपाली दुबे के साथ लाडो मधेसिया, विद्या सिंह और साहिल सिद्दीकी मुख्य भूमिकाओं में हैं। ट्रेलर में कहानी का मजेदार अंदाज दिखाया गया है। आम्रपाली का किरदार एक ऐसी लड़की का है, जिसे टीवी देखने का जबरदस्त शौक है। वह दिनभर टीवी से चिपकी रहती है, जिससे उसके माता-पिता परेशान रहते हैं। कहानी तब मजेदार मोड़ लेती है, जब उसकी शादी होती है और वह 55 इंच का टीवी लेकर ससुराल पहुंचती है। लेकिन ससुराल में टीवी पर पूरा मोहल्ला कब्जा जमाए बैठता है, और उसे रसोई से फुर्सत नहीं मिलती।

फिल्म में आम्रपाली, लाडो मधेसिया, विद्या सिंह और साहिल सिद्दीकी के अलावा अमित शुक्ला, गोपाल चव्हाण, सीपी भट्ट, राम नरेश श्रीवास्तव, रूपा सिंह, दीपिका सिंह, निशा तिवारी, जाग्रति गुप्ता और सनी शर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। फिल्म का कॉन्सेप्ट संदीप सिंह का है, जबकि कहानी अरबिंद तिवारी ने लिखी है। संगीत साजन मिश्रा ने दिया है, और गीत प्यारे लाल यादव ने लिखे हैं। बात करें फिल्म 'साइकिल वाली दीदी' की तो इसमें अभिनेत्री एक ऐसी बहू की भूमिका निभा रही हैं, जिसका पति एक पहलवान होता है, लेकिन एक हादसे के बाद कोमा में चला जाता है।

पेरिस में हाउते कॉउचर फ़ैशन वीक की शुरुआत पिछले सीज़न से बिल्कुल अलग अंदाज़ में हुई। कैटवॉक पर मॉडलों के अंदाज ने दर्शकों का ध्यान खींचा। सबसे ज़्यादा कमाई रॉडार्टे से हुई, जो एक ऐसा ब्रांड है जो बेहद व्यावसायिक अमेरिकी रेडी-टू-वियर उद्योग के कलात्मक पहलू पर स्थित है और जिसे क्रिस्टन डंस्ट और नताली पोर्टमैन जैसी मशहूर हस्तियाँ बेहद पसंद करती हैं।

लंबे बालों के लिए लगाएं ये खास पैक, जानें बनाने का तरीका

बाल लंबे नजर आए इसके लिए हम अक्सर अलग-अलग ट्रीटमेंट लेते हैं। कई समय तक तो इसका असर नजर आता है। लेकिन कुछ समय बाद बाल पहले की तरह खराब होने लगते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हम हेयर केयर रूटीन को सही तरीके से फॉलो नहीं कर पाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप सही हेयर पैक को बालों में लगाएं। इससे आपके बाल नेचुरली लंबे हो जाएंगे। चलिए आपको बताते हैं किस तरह के हेयर पैक को आप बालों में लगा सकती हैं।

करी पत्ता और गुडहल के फूल का हेयर पैक

घरों में करी पत्ता और गुड़हल के फूल आसानी से मिल जाते हैं। इसे लगाने से बाल लंबे भी हो जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये पुरानी और सबसे अच्छा घरेलू नुस्खा है। पहले लोग इसी का तेल बनाकर अपने बालों में लगाते थे। आप इसका हेयर पैक बनाकर अपने बालों में अप्लाई कर सकती हैं।

इस तह बनाएं हेयर पैक

इसके लिए आपको करी पत्ते की कुछ पत्तियों को पानी से साफ करके मिक्सी में डालना है। अब इसमें एक गुड़हल के फूल की पत्तियों को डालना है।थोड़ा सा दही और एलोवेरा जेल मिक्स करें। हल्का पानी डालकर पेस्ट बनाएं। अब इसे अपने बालों में अप्लाई करें।इसे 30 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें।फिर पानी से बालों को साफ कर लें। इससे आपके बाल कुछ ही दिनों में लंबे हो सकते हैं।

मेथी और नारियल तेल का हेयर पैक

मेथी दाना भी बालों के लिए अच्छा होता है। आप इसका भी हेयर पैक बालों में लगाएंगी, तो बालों की ग्रोथ होनी शुरू हो जाएगी। साथ ही, बाल जल्दी काले भी नही होंगे। इसके साथ आप नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। हेयर पैक बनाने के लिए आपको 2 चम्मच मेथी दाना लेना है। इसे रातभर भिगोकर रखना है। अब इसे अगली सुबह पानी निकालकर मिक्सी में डालना है और पीस लेना है। इसे एक कटोरी में निकालना है और 2 चम्मच नारियल का तेल मिक्स करना है। इस मिश्रण को बालों की जड़ों और स्कैल्प पर लगाएं। इसे 1 घंटे तक लगा रहने दें और फिर माइल्ड शैम्पू से धो लें। इसके इस्तेमाल से आपके बालों की ग्रोथ अच्छी हो जाएगी।बालों को लंबा करने के लिए जरूरी है कि आप सही तरीके की चीजों को लगाना शुरू करें। इससे आपके बाल घने और लंबे दिखेंगे।

चाहती हैं अट्रैक्टिव लुक तो स्टाइल करें लेटेस्ट डिजाइंस वाले खास को-ऑर्ड सेट

दिवाली पर सभी महिलाएं ब्यूटीफुल लुक चाहती हैं और इस खास मौके पर पहनने के लिए आपको बाजार में कई तरह के आउटफिट मिल जाएंगे। लेकिन, अगर आप अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो आप ये लेटेस्ट डिजाइंस वाले को-ऑर्ड सेट स्टाइल कर सकती हैं। हम आपको कुछ को-ऑर्ड सेट दिखा रहे हैं जो दिवाली की नाइट में पहनने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं। इसी के साथ हम आपको अट्रैक्टिव लुक पाने के लिए इन्हें स्टाइल करने की टिप्स भी बताएंगे।

फ्यूजन को-ऑर्ड और प्रिंटेड श्रग

दिवाली पर अट्रैक्टिव लुक पाने के लिए आप इस तरह की फ्यूजन को-ऑर्ड और प्रिंटेड श्रग स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के को-ऑर्ड आपको कई सारे कलर ऑप्शन में मिल जाएंगे और इसके साथ फ्लोरल प्रिंट श्रग अट्रैक्टिव लुक देने का काम करेगा। यह आउटफिट अट्रैक्टिव लुक पाने के लिए बेस्ट है और इसे आप 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप झुमके और फुटवियर में आप मोजरी पहन सकती हैं।

प्रिंटेड को-ऑर्ड

इस तरह के प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट भी आपके लुक को अट्रैक्टिव बनाने का काम करेंगे और इस आउटफिट को आप बेहद ही खूबसूरत नजर आएंगी। इस को-ऑर्ड में क्रॉप टॉप है प्लाजो है और इस आउटफिट को स्टाइल करने के बाद आप बेहद ही खूबसूरत नजर आएंगी। इस आउटफिट को आप 1,500 से 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप लॉन्ग इयरिंग्स और साथ हो फुटवियर में फ्लैट्स पहन सकती हैं। रॉयल लुक के लिए आप इस तरह का रेड कलर का प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट का भी चुनाव कर सकती हैं जो न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है।

एम्ब्रॉयडरी वर्क को-ऑर्ड

यहएम्ब्रॉयडरी वर्क को-ऑर्ड भी आप दिवाली के मौके पर स्टाइल कर सकती हैं जो कि न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है। इस आउटफिट मेंएम्ब्रॉयडरी की गई है और इस आउटफिट को आप 1,000 से 2,000 रुपये में खरीद सकती हैं। इस आउटफिट के साथ आप पर्ल वर्क वाली सिंपल ज्वेलरी साथ हो फुटवियर में आप फ्लैट्स पहन सकती हैं।

आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेंगी पर्ल वर्क ज्वेलरी

दीवाली जैसे खास मौके पर अपने आउटफिट को ब्यूटीफुल लुक देने के लिए महिलाएं ज्वेलरी का चुनाव करती हैं। ज्वेलरी जहां आपके लुक को कंप्लीट करने का काम करता हैं तो वहीं ज्वेलरी वियर करने के बाद आप खूबसूरत भी नजर आती हैं। लेकिन, अगर आप फेस्टिव सीजन में न्यू लुक पाना चाहती हैं तो आप इस तरह की पर्ल वर्क ज्वेलरी वियर कर सकती हैं। यह पर्ल वर्क ज्वेलरी में जहां फेस्टिव सीजन में आपके लुक को रॉयल बनाने का काम करेगा तो वहीं इस ज्वेलरी को वियर करने के बाद आप खूबसूरत भी नजर आएंगी।

मोती स्टाइल पर्ल वर्क ज्वेलरी

इस तरह की मोती वर्क पर्ल वर्क ज्वेलरी आप फेस्टिवल सीजन में अपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस पर्ल वर्क ज्वेलरी में मोती वर्क किया हुआ है साथ ही यह गोल्ड प्लेटेड है। इस तरह की मोती स्टाइल पर्ल वर्क ज्वेलरी आप 500 रुपये में खरीद सकती हैं।

यह मोती स्टाइल पर्ल वर्क ज्वेलरी आप साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती है। मोती स्टाइल पर्ल

वर्क ज्वेलरी में आप इस तरह की ज्वेलरी भी फेस्टिव सीजन में अपने आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं जो कि न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है।

मिरर स्टाइल पर्ल वर्क वर्क ज्वेलरी

पर्ल वर्क में आप इस मिरर वर्क ज्वेलरी का चुनाव कर सकती हैं। इस ज्वेलरी में मिरर वर्क किया हुआ है जो आपके आउटफिट को रॉयल बनाने के काम करेगा। मिरर वर्क पर्ल ज्वेलरी में बेहद ही खूबसूरत डिजाइन में है और अगर आप लहंगा वियर कर रही हैं तो आप इस तरह की ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं।

चांद से निखार के लिए इस तरह करें स्किन की केयर

दिवाली के मौके पर महिलाएं बेस्ट आउटफिट का चुनाव करती हैं साथ ही ये भी चाहती हैं कि इस दौरान उनका चेहरे की चमक बनी रही। वहीं चेहरे की चमक बनी रहे और इस मौके पर स्किन से जुड़ी समस्या पैदा न हो इसके लिए हम आपको कुछ चीजों के बारे में बता रहे हैं। ये सभी चीजें स्किन की केयर करने और चमक बनाए रखने के लिए उपयोगी साबित हो सकती हैं। वहीं इन चीजों को अपने स्किन केयर रूटीन में भी शामिल कर सकती हैं।

मुल्तानी मिट्टी के फेस मास्क करें ट्राई

चेहरे की चमक बनी रहे इसके लिए आप मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल कर सकती हैं। मुल्तानी मिट्टी में औषधीय गुण होते हैं साथ ही इसमें एंटीसेप्टिक गुण भी होते हैं, जो स्किन से जुड़ी समस्या को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। मुल्तानी मिट्टी को आप फेस मस्क की तरह का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस तरह करें इस्तेमाल

1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें पानी या गुलाब जल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे को अप्लाई करें और पेस्ट सूख जाने के बाद चेहरे को धो लें। इसके बाद चेहरे को मॉइस्चराइजर कर लें। वहीं इस उपाय को आप हफ्ते में दो दिन कर सकती हैं।

गुलाब जल से करें चेहरे को क्लीन

चेहरे का ग्लो बना रहे इसके लिए आप गुलाब जल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। गुलाब जल में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्किन चेहरे के लिए लाभदायक हैं। गुलाब जल का इस्तेमाल आप चेहरे को साफ करने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं साथ ही चेहरे को फ्रेश रखने के लिए आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस तरह का करें इस्तेमाल

गुलाब जल का इस्तेमाल आप चेहरे को साफ करने के लिए कर सकती हैं। रात के समय आप सोने से पहले गुलाब जल से चेहरे को साफ कर सकती हैं। वहीं अगर आप हैवी मेकअप अप्लाई करती हैं तो इसकी मदद से भी आप चेहरे को साफ कर सकती हैं।

कार्नर न्यूज लुक के साथ अपनी पैंट्स के स्टाइल को लेकर भी हो जाइए सीरियस

हर मौके पर आपका बेस्ट लुक दिखाती हैं ऐसी पैंट्स, वॉर्डरोब में शामिल कर लें इन्हें

अपनी कलेक्शन के लिए पैंट्स के कुछ ऐसे स्टाइल चुन लीजिए जो आपको हर मौके पर परफेक्ट लुक देंगे। पैंट बस फिटिंग देखकर खरीदना भी बंद कर दीजिए। आपको हर मौके के हिसाब से पर्फेक्ट पैंट चुननी होंगी ताकि आपका लुक परफेक्ट आए।

वूल ट्राउजर

वैसे तो ज्यादातर पुरुषों के कलेक्शन का हिस्सा नहीं होती है। लेकिन फिर भी आपको ये जरूर चुननी चाहिए। इसके साथ भी आप कई लुक बना सकते हैं। जैसे -इसके साथ फॉर्मल लुक चाहिए तो आपको इन पैंट्स के ऊपर सूट कोट चुनने होंगे। आप गाढ़े बेज वूल पैंट के साथ ब्लैक ब्लेजर चुनिए। अंदर सफ़ेद शर्ट जरूर चुनिए। डेली लुक के लिए बाद चारकोल ग्रे वूल ट्राउजर चुन लें। ब्लैक कलर की टी-शर्ट और सफेद स्नीकर के साथ आपका लुक बेस्ट आएगा।

चीनोज

अगर आपके पास अच्छे चीनोज नहीं हैं तो खुद को स्टाइलिश कहना बिल्कुल छोड़ दीजिए। ये ऐसी पैंट हैं जो आपके लुक को तुरंत बदल देती हैं। ये आरामदायक भी खूब होती हैं, इसलिए हल्के-फुल्के मौकों पर इन्हें पहना जा सकता है। लेकिन खास बात ये है कि इसे पार्टीवियर लुक के लिए भी पहना जा सकता है बस आप ब्लैक चीनोज के साथ सिल्की ब्लैक शर्ट पहन लें।

जॉगर्स

जब-जब हम पैंट्स की बात करते हैं तो जॉगर्स का नाम कभी भी मन में नहीं आता है। इनके कई सारे पैटर्न्स भी बाजार में मिल जाते हैं। जैसे टाइटफिट, रेगुलर वन या लूज फिट। आप इनको स्मार्ट कैजुएल के तौर पर भी पहन सकते हैं। कलीग के साथ बाहर पार्टी करनी हो या डिनर डेट पर जाना हो आप इसको चुन सकते हैं। बस कॉम्बिनेशन सही बनाएं।

ड्रासट्रिंग ट्राउजर्स

ये एक ऐसी पैंट है जिसको सच में आरामदायक ही कहा जाना चाहिए। इनको गर्मी और सर्दी दोनों ही मौसम में पहना जा सकता है। आमतौर पर ये लिनेन फेब्रिक पर मिलती हैं। इन्हें आप नीली ड्रासट्रिंग ट्राउजर को सफेद लिनेन शर्ट के साथ पहनें। सर्दी में इसे पहनने के लिए मोटे कपड़े की ड्रासट्रिंग ट्राउजर चुनें। खाखी रंग की पैंट के साथ सफेद शर्ट और डेनिम जैकेट पहनें लुक अच्छा आएगा।

डेनिम पैंट्स

डेनिम पैंट के बिना तो आपका कलेक्शन मानिए कि अधूरा ही है। इसलिए इसको तो भूलना ही नहीं है। अगर आप जींस बहुत ज्यादा नहीं भी पहनते हैं तो भी। एक-दो अपने पास जरूर रखें।